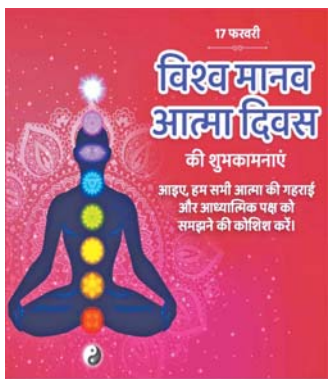

दैनिक साध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 198/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 17 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री अंगारेश्वर महादेव की सपत्निक पूजा-अर्चना की

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार सुबह उज्जैन स्थित भगवान श्री अंगारेश्वर महादेव के सपत्निक दर्शन कर पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री अंगारेश्वर का दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक भी किया।

पूजन, जलाभिषेक कर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 84 महादेव में से एक, यह मंदिर अत्यंत प्राचीन है। पुजारी श्री मनीष उपाध्याय,श्री रोहित गुरु ने मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई।

पूजा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ सेवा की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्री रवि सोलंकी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला,श्री अभय यादव, शाहिद अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट ने मप्र के 4 आईएएस अधिकारियों पर कड़ी टिप्पणी की, सरकार पर 50 हजार की कॉस्ट लगाई!

वेतन संशोधन और वित्तीय उन्नयन (इंक्रीमेंट) के बीच का अंतर मालूम नहीं होने पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 4 आईएएस अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। एक याचिका पर फैसला देते हुए सरकार पर 50 हजार की कॉस्ट लगाई। साथ ही याचिकाकर्ता को 2 माह में बकाया वेतन और पेंशन का भुगतान करने के आदेश दिए। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रदेश के 4 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को इस बात की जानकारी क्यों नहीं है, कि चौथे केन्द्रीय वेतन आयोग के अनुसार प्रचलित वेतनमान को मध्य प्रदेश वेतन संशोधन नियम 1998 के अनुसार संशोधित कर दिया है।

भोपाल के रिटायर्ड अधिकारी ने यह याचिका लगाई थी। महेश चंद्र तिवारी की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उनकी नियुक्ति सहायक कोषाधिकारी के रूप में हुई थी। उन्हें साल 1996 में विधि अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति प्रदान की गई। इसके बाद साल 1999 में वाणिज्यिक कर विभाग में उन्हें समायोजित कर दिया और वह साल 2021 में सेवानिवृत्त हो गए। याचिका में कहा गया कि उन्हें सेवाकाल में 3 वित्तीय उन्नयन (इंक्रीमेंट) मिलने चाहिए थे परंतु उन्हें 2 ही प्रदान किए गए।

आवेदन पर 4 आईएएस की कमेटी बनी- याचिकाकर्ता ने एक और वित्तीय उन्नयन नहीं मिलने पर विभागीय स्तर पर समाधान के लिए आवेदन दिया था। उनके आवेदन पर 4 आईएएस की कमेटी गठित की गई। कमेटी ने आदेश में कहा था कि उन्हें पहले ही 3 वित्तीय उन्नयन (इंक्रीमेंट) का लाभ मिल गया है। याचिकाकर्ता की तरफ से तर्क दिया गया था कि साल 1999 में हुए वेतन संशोधन को कमेटी ने वित्तीय उन्नयन मान लिया है। जबकि, वेतन आयोग के अनुसार वह सामान्य वेतन वृद्धि थी. सरकार के द्वारा उन्हें गलत तरीके से तीसरे उन्नयन से वंचित किया गया है।

हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई- जबलपुर हाईकोर्ट ने सरकार पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कमेटी में सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव थे। राज्य सरकार के 4 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की समिति को यह नहीं पता था कि, चौथे केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार प्रचलित वेतनमान को मध्य प्रदेश वेतन संशोधन नियम, 1998 के अनुसार संशोधित किया गया है। उन्हें वेतन संशोधन और वित्तीय उन्नयन के बीच का अंतर तक नहीं मालूम है। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने कमेटी की सिफारिश पर पारित आदेश को निरस्त करते हुए कहा है कि कर्मचारी के वित्तीय अधिकारों को गलत व्याख्या के आधार पर दबाया नहीं जा सकता है।

सीएम ने भारतीय पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

पुलिस ने खेलों में भी देश का नाम रोशन किया: सीएम मोहन यादव

भोपाल। 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 17 से 21 फरवरी तक मध्यप्रदेश पुलिस की मेजबानी में आयोजित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज भोपाल में बड़े तालाब के बोट क्लब पर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

सीएम यादव ने इस मौके पर कहा कि,पुलिस अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के कार्य के साथ-साथ खेलों में भी अपनी छाप छोड़ रही है। पुलिस बल के अनेक सदस्यों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को साबित करते हुए देश का नाम रोशन किया है। जब पुलिस बल एक बार जब ज्वाइन करते हैं तब से रिटायरमेंट तक जवान ही कहलाते है।

देश में मप्र की अलग पहचान, हमारे यहां घड़ियाल भी सबसे ज्यादा- सीएस ने कहा कि, वन्यजीवों के लिए मध्यप्रदेश की देश में एक अलग पहचान है। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा बाघ हमारे देश में पाए जाते हैं और देश के अंदर मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या सबसे अधिक है। इसके अलावा, अब हमारे यहां चीते भी आ गए हैं और घड़ियालों की संख्या भी सबसे ज्यादा है।

भोपाल का तालाब जवानों के साहस से जीवंत हो उठा

सीएम ने कहा कि पंच महाभूतों में जल का विशेष महत्व है। चूंकि जीवन की उत्पत्ति जल से होती है, इसलिए जल हमेशा से ही जीवों को लालायित करता हैं। राजा भोज द्वारा निर्मित भोपाल के ऐतिहासिक बड़े तालाब में अखिल भारतीय प्रतियोगिता का आयोजन, प्रदेश सहित राजधानी भोपाल के लिए गौरव का विषय है। सीएम बोले, हमारी संस्कृति में अतिथि देवो भव की परंपरा है, जिसे मैं हृदय से अनुभव करता हूं। भोपाल का तालाब आज एक अलग प्रकार के आनंद का अनुभव कर रहा होगा।

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय लेवल के खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

इस पांच दिवसीय वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के नामी-गिरामी खिलाड़ी राजधानी की बड़े तालाब में अपने जौहर दिखाएंगे। अखिल भारतीय पुलिस वाटर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश पुलिस को सौंपी गई है। इस प्रतियोगिता में खासतौर पर कयाकिंग, केनोइंग व रोईंग स्पर्धाएं होंगी। जिसमें केन्द्रीय बलों सहित 22 राज्यों की पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों की टीमों के 557 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 123 महिला खिलाड़ी भी शामिल है। प्रतियोगिता में शामिल कयाकिंग, केनोइंग व रोईंग की अलग-अलग 27 स्पर्धाओं में दांव पर लगे 360 पदक और विजेता व उपविजेता की आधा दर्जन ट्राफियों पर कब्जा जमाने के लिए खिलाड़ी अपना दम-खम दिखाएंगे।

इधर इंदौर में मुख्यमंत्री बोले-

अपने पैरों पर खड़े हों एमपी के सभी नगरीय निकाय

मंत्री विजयवर्गीय बोले- सिटी गवर्नमेंट बने पर सरकार संकोच करती है

इंदौर। मप्र के सभी नगर निगम में ट्रिपल इंजन सरकार है। नगरीय निकाय अपने पैरों पर खड़े होना चाहिए। इस दिशा में नगर निगम इंदौर ने सोलर से पेयजल पहुंचाने का रास्ता खोजा है वह प्रशंसनीय है। इसलिए सभी नगर निगम को ऐसे ही कदम बढ़ाना चाहिए। अपने कॉम्प्लेक्स, कॉलोनियों सहित अन्य माध्यमों से आय के साधन बढ़ाना होंगे। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा प्रदेश के नगर निगम महापौरों का सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है। यहां संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से इस बैठक में वर्चुअली जुड़े थे। उन्होंने कहा कि आगामी परिसीमन का असर नगरीय निकाय पर असर पड़ेगा। लोकसभा-विधानसभा की सीटों की संख्या बढ़ेगी। इसलिए हमें लोगों के घर-घर तक पहुंचना होगा। सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने के लिए हरसंभव कोशिश भी नगरीय निकायों को करना चाहिए। बीते दिसंबर में 40 दिन तक योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने का काम किया है उसके बूते पर 93त्न उपलब्धि हासिल हुई है।

GIS के बाद होगा बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव

पीएम मोदी की भोपाल में भाजपा विधायकों और लीडर्स से होगी मीटिंग

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने भोपाल आ रहे पीएम नरेंद्र मोदी बीजेपी नेताओं और विधायकों के साथ बैठक करेंगे। रविवार को मुख्यमंत्री निवास में सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने बैठक की। जिसमें बैठक का स्थान तय करने को लेकर डिस्कशन हुआ है।

पीएम मोदी बागेश्वर धाम से 23 फरवरी की शाम को भोपाल पहुंचेंगे। वे राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। ऐसे में राजभवन के सामने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीटिंग का प्लान है। हालांकि, इस बात पर भी चर्चा हुई है कि प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक कराई जाए। दोनों जगहों के प्रस्ताव पीएमओ भेजे गए हैं। अब पीएमओ से अंतिम मंजूरी के बाद बैठक और स्थान तय हो जाएगा।

साथ ही बीजेपी के किन-किन विधायकों और नेताओं के साथ प्रधानमंत्री की चर्चा होगी, इसकी लिस्ट आज-कल में फाइनल करके प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी जाएगी।

नॉन पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले नामों की लिस्ट

पीएम मोदी ने एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में स्थान देने की बात कही है जिनका कोई पॉलिटिकल बैकग्राउंड नहीं हैं। अब एमपी बीजेपी संगठन चुनाव के साथ ही ऐसे नामों की लिस्ट भी तैयार कर रही है। जो अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उनका नॉन पॉलिटिकल बैकग्राउंड है। प्रदेश भर से गैर सरकारी डॉक्टर, पत्रकार, वकील, व्यवसायी, सोशल वर्कर्स, प्लेयर्स, उद्यमी, रिटायर्ड अफसर, आर्मी, नेवी, एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर जो अब राजनीति में काम करने के इच्छुक हैं। ऐसे अलग-अलग वर्गों के लोगों के नामों की लिस्ट तैयार हो रही है।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके 4.0 मापी गई तीव्रता

- बिहार में भी महसूस किया गया कंपन
- प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से शांत रहने की अपील की

नई दिल्ली। दिल्ली-NCR में सोमवार सुबह करीब 5:36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। दोनों जगह रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था और इसकी गहराई पांच किलोमीटर बताई गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर इसकी जानकारी दी।

भूकंप के तेज झटकों से दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर ट्वीट किया। उन्होंने लोगों से शांत रहने की अपील की। साथ ही कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में धौला कुआं के पास था भूकंप का केंद्र

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि सोमवार को सुबह पांच बजकर 36 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि डरे सहमे लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। कई लोग गहरी नींद से जाग गए। भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौला कुआं इलाके में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था।

मुरैना पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव: बैरियर चौराहे पर किया अटल प्रतिमा का अनावरण

मुरैना। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मुरैना जिले के दौरे पर है। इस दौरान वह जिले के तीन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर को सीएम पांचवी बटालियन स्थित हेलीपैड पर पहुंचे, यहां स्थानीय नेताओं ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद वह कार से सीधे मुरैना शहर के बैरियर चौराहे पर पहुंचे, यहां उन्होंने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह

तोमर भी मौजूद है। इस दौरान वह आम सभा को संबोधित करेंगे, इसके लिए सीएम मंच पर पहुंच गए है। इसके बाद राजघाट चंबल का भ्रमण करेंगे और दोपहर 3 बजे करहधाम आश्रम पहुंचेंगे। मुरैना की पांचवी बटालियन स्थित हेलीपैड पर कृषि मंत्री एदल सिंह का कंसाना, मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा, भाजपा महामंत्री अरविंद सिकरवार सहित अन्य नेताओं ने स्वागत किया। इस कार्यक्रम में कई नागरिक, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हो रहे है।

दिल्ली के नए सीएम की शपथ 20 फरवरी को

19 को विधायक दल की बैठक, शपथ में PM समेत 20 राज्यों के मुख्यमंत्री आएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। हालांकि, भाजपा ने अब तक ष्टरूफेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी।

इससे पहले 16 फरवरी शाम को खबर आई कि 17 फरवरी, यानी आज विधायक दल की बैठक होगी और 18 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह होगा। हालांकि, कुछ देर बाद इसे दो दिन के लिए टाल दिया गया। इसकी वजह नहीं बताई गई।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और ह्रष्ठ शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी ष्टरू शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री की रेस में 6 नाम- वैसे तो भाजपा अपने मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चौंकाती आई है। पार्टी सभी राजनीतिक कयासों को किनारे करते हुए संगठन के पुराने चेहरों को प्रदेश की कमान सौंपती है। इसके बावजूद 6 विधायकों के नाम मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे हैं।

महाकुंभ- आज भी जबरदस्त भीड़, 58 लाख ने स्नान किया

प्रयागराज। महाकुंभ में आज फिर जबरदस्त भीड़ है। सुबह 10 बजे तक 58 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। भीड़ के चलते दारागंज स्थित संगम स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। महाकुंभ में तैनात अफसरों की ड्यूटी 27 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री फिर से रोक दी गई है। सभी तरह के पास रद्द कर दिए हैं। प्रयागराज से गुजरने वाली 19 ट्रेनों का रूट बदला गया है। वाहनों को संगम से 10-12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोका जा रहा है, जिससे लोगों को संगम तक पैदल ही जाना पड़ रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-15 देशों के 500 NRI होंगे शामिल: यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर, जापान से आएंगे

भोपाल। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार 15 देशों के 500 एनआईआर यानी, प्रवासी भारतीय शामिल होंगे। इनमें यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर और जापान से बड़ा प्रतिनिधिमंडल रहेगा। इसके चलते प्रवासी मध्यप्रदेश समिट भी होगी।

इस समिट में दुनियाभर में फैले प्रवासियों में फ्रेंडस ऑफ एमपी टीम के सदस्यों की विशेष भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत देश के बड़े उद्योगपतियों से भी वे रूबरू हो सकेंगे। इस समिट की जिम्मेदारी ओवरसीज विभाग को दी गई है।

समिट डेढ़ घंटे की होगी। बाकी समय में भोपाल, सांची, भीमबेटका, उदयगिरी समेत कई स्थानों पर उन्हें घुमाया भी जा सकता है। ताकि, वे अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों को करीब से देख सकें।

महाकुंभ जैसी होगी प्रवासी मध्यप्रदेश समिट- जीआईएस में 24 और 25 फरवरी को कुल 7 डिपॉर्टमेंटल समिट होगी। उद्योगपति न्यू रिन्युएबल एनर्जी, आईटी एंड टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, माइनिंग, एमएसएमई एंड स्टार्टअप, अर्बन डेवलपमेंट पर इन्वेस्टमेंट कर सकेंगे। सातवीं समिट को प्रवासी मध्यप्रदेश नाम दिया गया है। यह एक तरह से मध्यप्रदेश के दुनियाभर में रहने वाले प्रवासियों का महाकुंभ जैसा ही रहेगा। ज्यादातर वे उद्योगपति शामिल होंगे, जो मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं।

15 से ज्यादा देशों के प्रवासियों की मौजूदगी रहेगी- समिट में 15 से ज्यादा देशों के प्रवासियों की मौजूदगी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूके, दुबई-जापान की यात्रा भी कर चुके हैं। इस दौरान प्रवासियों ने समिट में आने की सहमति दी है। इस तरह यूके, दुबई, सिंगापुर, हांगकांग और जापान से सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने का मौका

इस समिट का मकसद विदेशों में रहने वाले प्रवासी भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने का मौका देना है, ताकि वे मध्यप्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभा सकें। एमपी स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने 500 प्रवासी भारतीयों को लेकर इंतजाम किए हैं।

उनके रहने और खाने के भी ऐसे इंतजाम किए जा रहे हैं, जिससे वे प्रदेश की मिट्टी से फिर जुड़ सकें। अफसरों का कहना है कि, प्रवासी भारतीय उद्योगपति भी समिट में इन्वेस्ट कर सकते हैं।

समिट को अलग-अलग चैप्टर प्रमुख करेंगे संबोधित

प्रवासी मध्यप्रदेश समिट में फ्रेंड्स ऑफ एमपी चैप्टर के प्रमुख अपने विचार रखेंगे। इनमें अबू धाबी चैप्टर की चेयरमैन लीना वैद्य, बोस्टन चैप्टर के चेयरमैन प्रमित माकोड़े, यूके चैप्टर के चेयरमैन रोहित दीक्षित, जेराल्ड क्रॉस लंदन यूके चैप्टर की प्रेरणा भारद्वाज, हाउस ऑफ लॉर्ड्स यूके की लॉर्ड रेमी रेंजर शामिल हैं।

गजकेसरी राजयोग 2025: मार्च से इन राशियों का चमकेगा भाग्य, सफलता के खुलेंगे नए द्वार

ज्योतिष के मुताबिक, गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी राजयोग का निर्माण होता है। गजकेसरी राजयोग के प्रभाव से जातक को करियर, व्यापार और वैवाहिक जीवन में शुभ फल की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र में सभी ग्रहों में से चंद्रमा को सबसे तेज गति से चलने वाला ग्रह माना जाता हैं, क्योंकि चंद्रमा हर ढाई दिन में राशि परिवर्तन करते हैं, ऐसे में वे किसी न किसी ग्रह के साथ युति बनाते है, जिससे योग-राजयोग का निर्माण होता है।वही देवगुरू बृहस्पति साल में एक बार राशि परिवर्तन करते है। वर्तमान में देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि में विराजमान है। 5 मार्च को चंद्रमा वृषभ राशि में प्रवेश करेंगे, ऐसे में वृषभ राशि में गुरु और चंद्रमा की युति से शक्तिशाली गजकेसरी राजयोग का निर्माण होगा, जिसे ज्योतिष शास्त्र में बहुत शुभ माना जाता है। जो कई राशियों के लिए शुभ साबित होने वाला है। इन राशियों को धनलाभ के साथ कार्यों में सफलता मिलेगी।

3 राशियों की किस्मत चमकाएगा गजकेसरी राजयोग

मेष,कर्क,कन्या राशि: मार्च में बनने वाला गजकेसरी राजयोग जातकों के लिए शुभ साबित हो सकता है ।निवेश के लिए समय अनुकूल रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कार्यों के सफलता मिलेगी। हर क्षेत्र में अपार सफलता हासिल हो सकती है। करियर के क्षेत्र में भी पदोन्नति हो सकती है। व्यापार में मुनाफा मिलेगा। परिवार के साथ अच्छा वक्त बीतेगा।

वैवाहिक जीवन में खुशहाली लाएंगे केले के पत्ते के उपाय, खुशियों से भर जाएगा जीवन

कन्या राशि: गजकेसरी राजयोग जातकों के लिए शुभ सिद्ध हो सकता है। आकस्मिक धन प्राप्ति के योग बनेंगे। मनोकामना पूरी हो सकती है। करियर व नौकरी में सफलता मिल सकती हैं। लव लाइफ अच्छी रहने वाली है। पार्टनर के साथ रिश्ता मजबूत होगा।भाग्य का पूरा साथ मिल सकता है। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती बनेगी । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मेष राशि: गजकेसरी राजयोग जातकों के लिए लकी साबित हो सकती है। नौकरीपेशा को नौकरी के कई अवसर मिल सकते हैं।भाग्य का पूरा साथ मिल सकता है। आय में भी खूब बढ़ोतरी हो सकती है। लव लाइफ भी अच्छी रहेगी । आत्मविश्वास में वृद्धि होने से सभी काम समय से पूरे होंगे। कोर्ट के किसी मामले से राहत प्राप्त होने की संभावना है।स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।जीवन में खुशियों की दस्तक हो सकती है। परिवार के साथ अच्छा वक्त बीतेगा।

कब बनता है कुंडली में गजकेसरी राजयोग

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गजकेसरी योग मतलब हाथी के ऊपर सवार सिंह। इस योग में चंद्रमा की युति गुरु, बुध और शुक्र के साथ होती है। अगर चंद्रमा गुरु, बुध और शुक्र में से किसी एक से भी केंद्र में हो तो गजकेसरी योग का निर्माण जातक की कुंडली में होता है या अगर किसी जातक की कुंडली के लग्न,चौथे और दसवें भाव में गुरु-चंद्र साथ हो तो इस योग का निर्माण होता है। चंद्र या गुरु में से कोई भी एक दूसरे के साथ उच्च राशि में हो तो भी यह योग बनता है।

पंडित लेखराज शर्मा, ज्योतिषाचार्य
श्री रामानंद आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल
9893470712

धर्मशाला हमारे सनातन धर्म और सामाजिक परंपराओं का प्रतीक हैं: मंत्री कृष्णा गौर

ग्राम सावंतखेड़ी में यादव अहीर समाज धर्मशाला का लोकार्पण किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर ने कहा कि सामाजिक सहयोग से तैयार धर्मशालाएं मात्र ईंट गारे का भवन नहीं है, यह हमारे सनातन धर्म, हमारी परंपराओं, हमारे आराध्ययुकुल भगवान श्री कृष्ण के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रमुख केंद्र भी है। यह बात उन्होंने रविवार को प्रभार जिला सीहोर के ग्राम सावंतखेड़ी (लक्ष्मीपुर) आष्टा में यादव अहीर समाज धर्मशाला के लोकार्पण एवं जीर्णोद्धार कार्यक्रम को संबोधित करती हुई कहीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यादव समाज के सामाजिक बंधुओ ने एक संकल्प लिया कि समाज की धर्मशाला का निर्माण करना है और उस संकल्प को पूरा करने में समाज के बंधुओ ने अपना योगदान दिया। हम देख रहे हैं कि सामाजिक धर्मशाला का निर्माण और सामाजिक बंधुओं के योगदान के संगम से यह विशाल धर्मशाला बनकर तैयार है। हमारे समाज में अपनी सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने और हमारी नई पीढ़ी को सनातन धर्म से, संस्कृति से, हमारी परंपराओं से आत्मसात कराने की दृष्टि से धर्मशालाओं का निर्माण किया जाता था। ग्राम सावंतखेड़ी में भी उसी परंपरा का निर्वाह देखने को मिला है, जिसके लिए मैं अपने सामाजिक बंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। इस दौरान आष्टा के विधायक गोपाल सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायक सीहोर रचना डॉ. सुरेंद्रसिंह मेवाड़ा,जीवन सिंह मण्डलोई, दीक्षा सोनु गुणवान, सीताराम यादव, सीमा महेश चौधरी, धारासिंह पटेल, हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा, सुनील आर्य, सुनील प्रताप, अतुल शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों की संख्या में जनमानस मौजूद रहा।

चिकित्सक दलों ने सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल। नगर निगम द्वारा निगमकर्मियों विशेषकर स्वच्छता संबंधी कार्यों में संलग्न कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु समय-समय पर शिविरों का आयोजन किया जाकर शिविरों में विभिन्न प्रकार के रोगों की जांच, औषधी वितरण के साथ ही उपचार एवं स्वास्थ्य के संबंध में सलाह दी जा रही है। इसी तारतम्य में शनिवार को बैरागढ़ गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 86 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. प्रतिभा मनसूरिया व अन्य चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं विभिन्न रोगों की जांच व औषधी वितरण भी किया गया। सोमवार, 17 फरवरी 2025 एवं मंगलवार, 18 फरवरी को ईदगाह गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला मुख्य एवं चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों के आयोजन के क्रम में बैरागढ़ गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में 14 एवं 15 फरवरी 2025 को स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ. प्रतिभा मनसूरिया सहित अन्य चिकित्सकों व सहयोगी स्टॉफ द्वारा 86 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं विभिन्न रोगों की जांच/स्क्रीनिंग की गई और दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर में निगमकर्मियों की सुविधा के दृष्टिगत ई-के.वॉय.सी, आभा आई.डी व आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा भी दी गई। निगम द्वारा सोमवार, 17 फरवरी 2025 एवं मंगलवार, 18 फरवरी को ईदगाह गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

माता वैष्णो देवी भक्त सेवा समिति का पुस्तिका विमोचन एवं टिकट वितरण कार्यक्रम हुआ

भोपाल। श्री माता वैष्णो देवी भक्त सेवा समिति के द्वारा माता वैष्णो देवी निशुल्क यात्रा की पुस्तिका विमोचन आयोजन रविवार को सुबह 9 बजे किया जाएगा। मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय संघ समिति मध्य प्रदेश महामंडलेश्वर महंत अनिल आनंद शास्त्री की उपस्थिति में यात्रियों को टिकट - यात्रा बेग वितरण एवम पुस्तिका विमोचन किया जायेगा। आर्थिक रूप से कमजोर, उम्र 40 वर्ष से अधिक और जिसने कभी भी वैष्णो देवी माता के दर्शन नहीं किए हो मध्यवर्गीय लोगों की 13 वीं निशुल्क यात्रा 24 फरवरी को मालवा से रवाना होगी। चयनित यात्री, व्यवस्थापक, सेवादार, भजन गायक ढोल ग्रुप , फोटोग्राफर, अन्य सूचि में शामिल सदस्य अनिवार्य रूप से सुबह 8.30 से पूर्व उपस्थित होंगे। ग्रुप नंबर 1 से ग्रुप नंबर 12 व्यवस्थापक,सेवादार, यात्रियों में से किसी भी कारण से जिन लोगों का यात्रा में जाना स्थगित हुआ है उस ग्रुप के सेवादार आज अनिवार्य रूप से सूचना देवें - जिससे प्रतीक्षा सूची वाले माता के भक्तों को प्राथमिकता के आधार पर समायोजन किया जाएगा।

भीम नगर खेल मैदान में आज से श्रीमद् भागवत कथा

भोपाल। 17 से 23 फरवरी आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा भीम नगर खेल मैदान पर विधायक भगवानदास सबनानी ने कथा की तैयारी एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की 17 फरवरी कलश यात्रा दोपहर 12 बजे मां अष्टभुजाधारी दुर्गा मंदिर से आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रदेश में दो चरणों में गिद्धों की होगी गणना

भोपाल। प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिये गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 पूरे प्रदेश में 17 फरवरी से प्रारंभ होगी जो दो चरणों की जायेगी। गिद्दों के आंकलन की गणना वर्ष में दो बार की जाती है। शीतकालीन गिद्ध गणना 17, 18 एवं 19 फरवरी को होगी और ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 29 अप्रैल 2025 को की जायेगी। शीतकालीन गिद्ध गणना सुबह 7 बजे से 8 बजे तक होगी। ऐसे स्थान जहां पर ऊंची चट्टान है, उन स्थानों पर अधिकतम 9 बजे तक गणना की जा सकती है। केवल बैठे हुए गिद्धों की गणना की जायेगी। गिद्ध गणना वर्ष 2024-25 के लिये 11 मास्टर ट्रेनर द्वारा 16 वन वृत्त में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 27, 29 एवं 31 जनवरी 2025 में किया गया।

सिद्ध भाऊ ने नवनिध की छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के लिए दिए टिप्स

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा 9वीं और 11वीं की छात्राओं के लिए परीक्षा पूर्व तैयारी एवं उत्कृष्ट परिणाम हेतु विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सिद्ध भाऊ के सानिध्य में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में हाउ टू एक्सेल इन एग्जामिनेशन विषय पर यह सत्र संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या वह धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता लेकिन यह भी सत्य है कि इसे परिश्रम से ही अर्जित किया जा सकता है। उन्होंने परीक्षा को आत्मविकास की महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह केवल ज्ञान का परीक्षण नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन और समर्पण की भी परीक्षा होती है। उन्होंने छात्राओं को अध्ययन को सहज और रुचिकर बनाने के लिए नियमित दोहराव, व्यवस्थित नोट्स बनाने तथा समय प्रबंधन का महत्व समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा के समय मानसिक एकाग्रता बनाए रखने के लिए प्रतिदिन ध्यान, व्यायाम और आरती करने की आदत डालें। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी सचेत रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है, अत: पौष्टिक आहार लेना आवश्यक है।

शिक्षा की बेहतरी के लिये स्कूलों का हो नियमित निरीक्षण: स्कूल शिक्षा मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ●
भोपाल

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि शिक्षा की बेहतरी के लिये स्कूलों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिये। इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी व्हाटसअप ग्रुप तैयार करें, जिसमें प्रतिदिन की गतिविधियों का अपडेट और निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार की जाये। मंत्री श्री सिंह रविवार को नरसिंहपुर में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में तेन्दूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल भी मौजूद थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण का कैलेण्डर बनाया जाये और उसके अनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाये।

बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा: स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि जिले में 87 परीक्षा केन्द्रों पर बोर्ड परीक्षा संचालित होंगी। जिले में इस वर्ष 27 हजार 342 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को नकल रोकने की सख्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

सम्पत्तिकर जमा न करने वालों से निगम वसूलेगा दोगुनी राशि

भोपाल। नगर निगम द्वारा करदाताओं के स्वयं के आवासीय उपयोग वाली संपत्तियों के संपत्तिकर में 50 प्रतिशत की रियायत दी जाती है। यह रियायत चालू वित्तीय वर्ष में संपत्तिकर का भुगतान करने वालों को ही दिया जाने का प्रावधान है। चालू वित्तीय वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात संपत्तिकर का भुगतान करने वालों को यह रियायत नहीं दी जाएगी और शत प्रतिशत वार्षिक भाड़ा मूल्य के आधार पर संपत्तिकर की गणना की जाकर संपत्तिकर का निर्धारण किया जायेगा और करदाताओं को देनी पड़ेगी दोगुनी राशि। अपने स्वयं के आवासीय उपयोग वाली संपत्तियों का चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 का संपत्तिकर 28 फरवरी, 2025 तक जमा करायें अन्यथा संपत्तिकर पर लगने वाला अधिभार 06 प्रतिशत से बढ़कर 09 प्रतिशत हो जायेगा और करदाताओं को 03 प्रतिशत अधिक अधिभार जमा करना पड़ेगा साथ ही निगम प्रशासन ने यह भी अपील की है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 का संपत्तिकर 31 मार्च 2025 तक जमा करें अन्यथा स्वयं के आवासीय उपयोग की संपत्तियों पर दी जाने वाली 50 प्रतिशत की रियायत भी नहीं दी जायेगी।

संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य में पॉलिटेक्निक चौराहे पर हुआ भव्य कार्यक्रम

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 648वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के हिंदी भवन, पॉलिटेक्निक चौराहे पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समारोह में मध्य प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसे श्रीमती कृष्णा गौर ने संपन्न किया। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शानदार श्रृंखला देखने को मिली, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। नृत्य और विभिन्न एक्टिविटीज़ ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इस खास अवसर पर एक आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया गया, जिसमें देशभक्ति गीतों और संत महात्माओं की भक्ति धुनों की गूंज सुनाई दी। समूचा माहौल भक्तिमय और उत्साह से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष गुणवंत सेवतकर, एन.एल. टांडेकर, हेमराज रामभाऊ, देसी पहाड़ी, सचिव संगीता मुहावे, रमेश दयाराम, प्रवीण, उर्मिला, नानूलाल, कुलदीप सोनेंद, नानाजी करोल, तरुण कुमार, विनोद सोनकर, केवल नकले, महेंद्र तानेडकर सहित समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन भक्ति, सामाजिक समरसता और संत रविदास जी की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार का अद्भुत उदाहरण बना।

बच्चों का विकास करने के लिए हमें उनको विनम्रता सिखानी चाहिए: डॉ. निशा सक्सेना

छोटे सितारे, बड़ी उड़ान, संस्कार विद्यालय में रही वार्षिकोत्सव की धूम

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में मॉन्टेसरी के विद्यार्थियों के लिए वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि म. प्र. बाल आयोग से डॉ. निशा सक्सेना, संस्था के सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सबकों मंत्रमुग्ध कर दिया। बसंत चेलानी ने कहा कि किसी विद्यालय का मापदंड देखना हो तो उस स्कूल का मैदान, शिक्षा और संस्कृतिक कार्यक्रम देखना चाहिए, मैं आएँ हुए अभिभावकों से यही कहना चाहता हूँ कि आपने जो हमारे विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाकर हम पर विश्वास किया हैं, तो हम भी आपके विश्वास पर खरे उतरने का प्रयास करेंगें। डॉ. निशा सक्सेना ने कहा कि संस्कार विद्यालय में छोटे बच्चों के विकास में कल का बहुत महत्व हैं, बच्चों के विकास में माता-पिता तथा शिक्षकों का बहुत योगदान होता है, बच्चों का विकास करने के लिए हमें उनको सदाचार एवं विनम्रता सिखानी चाहिए जिसमें सबसे अधिक माँ की भूमिका होती है क्योंकि मकान तो ईट-गारे से बनता हैं, लेकिन घर तो ग्रहणी से बनता है, अगर माँ शिक्षित होती है तो बच्चों को सर्वांगीण विकास होता है, बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान की भी आवश्यकता होती है।

मुख्यमंत्री जनसहभागिता निर्माण योजना में जनता की जेब से बनेंगी सड़कें-नालियां

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री जनसहभागिता निर्माण योजना लागू करने जा रही है, जिसमें सड़कें , नालियां, बगीचे और बाउंड्रीवॉल जनता की मांग पर बनाए जाएंगे। मध्यप्रदेश में शहरों की सड़कें और नालियां अब जनता के पैसे से भी बनेंगी। सरकार ने मुख्यमंत्री जनसहभागिता निर्माण योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत नगरीय निकायों को स्थानीय नागरिकों से 50 प्रतिशत फंड जुटाना होगा, तभी कोई विकास कार्य शुरू होगा।

खर्च का फॉर्मूला

50 प्रतिशत सरकार देगी
50 प्रतिशत जनता से लिया जाएगा

नगरीय निकायों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे स्थानीय लोगों से इस योजना के लिए फंड इकट्ठा करें।

योजना का कार्यान्वयन

पहले आओ, पहले पाओ के तहत जिन इलाकों से पहले फंड इकट्ठा होगा, वहां निर्माण कार्य पहले होगा।

डीपीआर जरूरी: निर्माण के लिए निकायों को पहले डीपीआर तैयार करनी होगी और उसे स्वीकृति के लिए भेजना होगा।फंडिंग दो किस्तों में, सरकार अनुदान दो चरणों में देगी। यदि प्रोजेक्ट की लागत ज्यादा होती है, तो अतिरिक्त खर्च नगर निगम, नगर पालिका, या नगर परिषद को उठाना पड़ेगा।

निर्धारित समय में कार्य पूरा करना अनिवार्य: यदि तय समय में काम नहीं हुआ, तो फंड किसी और शहर/क्षेत्र को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

जनता की सहमति अनिवार्य: बिना नागरिकों की मंजूरी के कोई भी निर्माण कार्य स्वीकृत नहीं होगा।

योजना की फंडिंग

5 साल में 750 करोड़ का बजट: योजना के लिए सरकार 750 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

स्थानीय निकायों को मिलने वाली राशि: नगर निगम को 5 करोड़ रुपए प्रति वर्ष। नगर पालिका को 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष। नगर परिषद को 25 लाख रुपए प्रति वर्ष। जनता की भागीदारी से ही विकास कार्य होंगे।

पारदर्शिता और मॉनिटरिंग

क्वालिटी मॉनिटरिंग: सरकार स्टेट क्वालिटी मॉनिटर नियुक्त करेगी।

जियो टैगिंग: निर्माण कार्य के हर चरण में जियो टैगिंग और फोटो अपलोडिंग अनिवार्य होगी।

मोबाइल लैब से गुणवत्ता जांच: स्थानीय निकायों की मोबाइल लैब से निर्माण कार्यों की टेस्टिंग होगी।

सोशल ऑडिट: प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद जनता स्वयं निरीक्षण कर सकेगी।

आध्यात्मिक सांस्कृतिक धरोहर का महापर्व महाकुंभ प्रयागराज 2025

महाकुंभ प्रवास के दौरान अनेकानेक दुर्लभ साधु संतों से भेंट करने का अवसर मिला - माता वैष्णो देवी की असीम कृपा से ऐसे ही एक सन्त अनन्त विभुषित दिव्य सन्त जगत गुरु श्री रामभद्राचार्य से भेंट के साथ संवाद करने का अवसर प्राप्त हुआ।

आज 75 वर्ष के हो चुके महान गुरुदेव जन्म से सूरदास हैं। स्कूल में हर कक्षा में उन्हें 99त्न से कम अंक नहीं मिले। उन्होंने 230 किताबें लिखी हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि श्री राम जन्मभूमि मामले में उन्होंने हाई कोर्ट में 441 साक्ष्य देकर यह साबित किया कि भगवान श्री राम का जन्म यहीं हुआ था।

उनके द्वारा दिये गये 441 साक्ष्यों में से 437 को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। उस दिव्य पुरुष का नाम है जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी। 300 वकीलों से भरी अदालत में विरोधी वकील ने गुरुदेव को चुप कराने और बेचैन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनसे पूछा गया था कि क्या रामचरित मानस में रामजन्म भूमि का कोई जिक्र है?

तब गुरुदेव श्री राम भद्राचार्यजी ने संत तुलसीदास की चौपाई सुनाई जिसमें श्री राम जन्मभूमि का उल्लेख है। इसके बाद वकील ने पूछा कि वेदों में क्या प्रमाण है कि श्रीराम का जन्म यहीं हुआ था? जवाब में श्री राम भद्राचार्यजी ने कहा कि इसका प्रमाण अथर्ववेद के दूसरे मंत्र दशम कांड के 31वें अनुवाद में मिलता है। यह सुनकर न्यायाधीश की पीठ ने, जो एक मुस्लिम न्यायाधीश था, कहा, सर, आप एक दिव्य आत्मा हैं।

जब सोनिया गांधी ने अदालत में हलफनामा दायर किया कि राम का जन्म नहीं हुआ था, तो श्री राम भद्राचार्यजी ने तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर कहा, आपके गुरु ग्रंथ साहिब में राम का नाम 5600 बार उल्लेखित है। ये सारी बातें श्री राम भद्राचार्यजी ने मशहूर टीवी चैनल के पत्रकार सुधीर चौधरी को दिए एक इंटरव्यू में बताई हैं।

नेत्र विहीन संत महात्मा को इतनी सारी जानकारी कैसे हो गई, यह एक आम आदमी की समझ से परे है। वास्तव में वे कोई दैवीय शक्ति धारण करने वाले अवतार हैं। उन्हें नेत्रहीन कहना भी उचित नहीं है। क्योंकि एक बार प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने उनसे कहा कि मैं आपके दर्शन की व्यवस्था कर सकती हूं। तब इस संत महात्मा ने उत्तर दिया, मैं दुनिया नहीं देखना चाहता।

वह इंटरव्यू में आगे कहते हैं कि मैं अंधा नहीं हूं। मैंने अंधे होने की रियायत कभी नहीं ली। मैं भगवान श्री राम को बहुत करीब से देखता हूं। ऐसी पवित्र, अद्भुत प्रतिक्रिया को नमन है ।

ऐसे संतो की वजह से ही सनातन धर्म, और हमारी संस्कृति का अस्तित्व टिका हुआ है ऐसे दुर्लभ संत हिन्दुस्तान की आत्मा है

विजय खण्डेलवाल
मां के सेवादार
श्री माता वैष्णो देवी भक्त सेवा समिति भोपाल मध्य प्रदेश

भारत की अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था: प्रहलाद सिंह पटेल

भाजपा जिला कार्यालय डिण्डौरी में बजट संगोष्ठी सम्पन्न

डिण्डौरी। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिला कार्यालय मे केन्द्रीय बजट का वृहद जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे हर वर्ग वरिष्ठजन, प्रबुद्वजन, शिक्षाविद्, वकील एवं समाजसेवी मौजूद रहे। संगोष्ठी के पूर्व सभी मंचासीन अतिथियों के द्वारा भारत माता, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पं.दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के तेलीय चित्र पर माल्यार्पण कर तिलक वंदन कर संगोष्ठी की शुंभारभ किया गया। केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी केन्द्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के नेतृत्व मे संसद मे पेश की गई जिसमें हर वर्ग के हितों को ध्यान मे रखते हुए यह बजट तैयार किया गया है जिसमें गांव, गरीब, महिला, युवा, उद्यम, किसान हर वर्ग की चिंता हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया है। हमारी सरकार का नारा है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ कार्य कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है । पिछले 10 वर्षों में, मोदी सरकार के विकास ट्रैक रिकॉर्ड और संरचनात्मक सुधारों ने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है। इस सरकार के पहले दो कार्यकालों के दौरान किए गए परिवर्तनकारी कार्य एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे यह सरकार दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने में सक्षम हुई है। युवा, अन्नदाता और नारी (गरीब, युवा, किसान, महिला) पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकास के उपाय प्रस्तावित किए गए हैं। लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग, विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा में प्रमुख सहायक स्तंभ हैं। मध्यम वर्ग भारत के विकास को शक्ति प्रदान करता है। माननीय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया है। व उनके योगदान को मान्यता देते हुए, सरकार ने समय-समय पर उनके कर के बोझ को कम किया है। 2014 के ठीक बाद, शून्य कर स्लैब को बढ़ाकर ?2.5 लाख कर दिया गया, जिसे 2019 में बढ़ाकर ?5 लाख और 2023 में ?7 लाख कर दिया गया। नई व्यवस्था के अंतर्गत 12 लाख रुपये तक की आय (अर्थात पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर प्रति माह 1 लाख रुपये की औसत आय) पर कोई आयकर नहीं देना होगा । व वेतनभोगी वर्ग के लिए, ?12.75 लाख की वार्षिक आय तक कोई आयकर लागू नहीं है, क्योंकि वेतनभोगी वर्ग को ?75,000 का मानक कटौती लाभ उपलब्ध है। भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे केन्द्र सरकार द्वारा जनता जनार्दन के कल्याण एवं विकसित भारत के संकल्प को सामूहित रूप से साकार करने हेतु एवं गांव, गरीब, किसान, महिलाओं एवं युवाओं के हित सहित 12 लाख रूपये की आयकर से एतिहासिक छूट की घोषणा के साथ शानदार बजट देने के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हार्दिक आभार व्यक्त करते है। वहीं भाजपा राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे ने संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को ज्ञात है कि भारत देश का स्वर्णिम काल चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे भारत दुनिया का विश्वगुरू बन रहा है। हमारी सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, महिलाओं के लिए उज्जवला योजना, जनधन योजना सहित सैकड़ो जन कल्याणकारी योजनाऐं लागू है और सही तरीके से लाभांवित हितग्राहियों तक पहुॅच रही है।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री जयसिंह मरावी व आभार अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष महेश सिंह धुमकेती ने व्यक्त किया। उक्त बैठक मे अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह तेकाम, पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाशचंद जैन, डॉ. सुनील जैन, नरेन्द्र सिंह राजपूत, अवधराज बिलैया, वरिष्ठ नेता अशोक अवधिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश सिंह परस्ते, पूर्व विधायक दुलीचंद उरैती, भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेश सिंह पाराशर, इन्द्रावती धुर्वे, प्रीतम मरावी, मनोहर सिंह ठाकुर, जिला मंत्री अनुराग गुप्ता, मनका वनवासी, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, जिला मीडिया प्रभारी सुधीरदत्त तिवारी, जिला सयोजक सोशल मीडिया पवन शर्मा, जिला पंचायत सदस्य ज्योतिप्रकाश धुर्वे, मण्डल अध्यक्ष आशीष वैश्य, शिवराम राजपूत, हेमसिंह राजपूत, सुशील यादव, वर्षा कुशराम, सुदामा बर्मन, लक्ष्मीप्रसाद दरका, कृष्णकुमार मिश्रा, अनिल साहू पूर्व मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ठाकुर, राजकुमार मोंगरे, सुशील राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहें।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को लेकर सरकार के साथ भोपाल का आम आदमी है तैयार

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एवं बेस्ट के संरक्षक विश्वास कैलाश सारंग ने आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल में होने जा रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के संबंध में 'भोपाल एक साथ टीम-BEST' की बैठक लेकर अभी तक किये कार्यों की समीक्षा की। मंत्री सारंग ने कहा कि यह शहरवासियों के लिये हर्ष का विषय है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित होने जा रही है। समिट के दौरान भोपालवासी ही अपने शहर के ब्रांड एम्बेसडर बनें। उन्होंने नागरिकों से आहवान किया है कि समिट में देश-विदेश से आने वाले सभी अतिथियों का स्वागत 'अतिथि देवो भव:' की भावना के साथ हो। जिसमें एयरपोर्ट से लेकर मुख्य आयोजन स्थल व अतिथियों के ठहरने के स्थानों तक गुजरने वाले सभी मार्गों पर बसे घरों में रहवासी स्वयं ही रंगोली बनाएं एवं लाइटिंग से सजावट करें। जिससे भोपाल की सकारात्मक छवि हमारे अतिथियों के समक्ष बनें।मंत्री श्री सारंग ने बताया कि जीआईएस में आने वाले अतिथियों की सुविधा और स्वागत को लेकर शहर के विभिन्न संगठन-व्यापारी संघ, सामाजिक व शैक्षणिक क्लब, उद्योगपति, और प्रबुद्धजन-से शीघ्र ही संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल की स्वच्छता, सुंदरता और सुगम आवागमन को बनाए रखने के लिए सरकार के साथ सामाजिक संगठन मिलकर काम करें। सामाजिक संगठन सरकार और समाज के बीच सेतु का काम करेगा। स्वैच्छिक और सामाजिक संगठनों से व्यापक चर्चा कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर वर्ग की भागीदारी इस आयोजन में हो और जीआईएस को भव्य स्वरूप दिया जाए।

कृषि महाविद्यालय रीवा में किये जाएंगे विकास कार्य: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय परिसर रीवा में अवनि कन्या छात्रावास भवन तथा श्री अन्न प्रसंस्करण एवं भण्डारण भवन का लोकार्पण किया। इनका निर्माण एक करोड़ 5 लाख रूपये की लागत से कराया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा कृषि महाविद्यालय 1952 से स्थापित है। इसके भवन निर्माण तथा अधोसंरचना विकास के अन्य कार्यों की बहुत आवश्यकता है। इसके लिए बनायी गयी 12 करोड़ 37 लाख रूपये की कार्ययोजना विश्वविद्यालय से मंजूरी मिलने के बाद शीघ्र लागू होंगी। महाविद्यालय में नये संकायों के खोलने, प्राध्यापकों की नियुक्ति तथा शोध के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय विन्ध्य में श्री अन्न की वैज्ञानिक विधि से खेती के लिए बडे केन्द्र के रूप में विकसित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कृषि महाविद्यालय को कुछ महीने पहले सुन्दर सड़क का उपहार दिया गया है इसमें शीघ्र ही स्ट्रीट लाइट लगायी जायेंगी। इस सड़क के दोनों ओर महाविद्यालय वृक्षारोपण करा के हराभरा बनायें। आज 30 विस्तर कन्या छात्रावास का लोकार्पण किया गया है। इससे छात्राओं को बहुत सहूलियत होगी। इस महाविद्यालय में लगभग 40 प्रतिशत छात्राएँ हैं। महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों का प्लेसमेंट शत-प्रतिशत है। उप मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों तथा पम्पलेट का विमोचन किया। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलगुरू डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि श्री अन्न प्रसंस्करण केन्द्र शुरू होने से विन्ध्य के किसानों को बहुत लाभ होगा। पूरी दुनिया में श्री अन्न की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय के विकास में अतुलनीय योगदान दिया है। आगे भी महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति करेगा। सांसद श्री जनार्दन मिश्र, महाविद्यालय के डीन डॉ. संत कुमार त्रिपाठी सहित कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पीएससी राज्य सेवा परीक्षा 2025 प्री का स्तर हुआ बेहतर, नीचे आएगा कटऑफ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मप्र लोक सेवा आयोग (पीएससी) की राज्य सेवा परीक्षा 2025 के प्री के पेपर का स्तर इस बार बेहतर हुआ है। साथ ही इसमें सवालों का स्तर और फ्रेमिंग भी बेहतर हुई है। इसके चलते इस बार उम्मीदवार इसे लेकर शिकायत करते हुए फिलहाल नजर नहीं आए हैं। कुल मिलाकर यह प्रश्नपत्र उनके लिए है जो लगातार पढ़ रहे हैं, तुक्का इसमें नहीं चलेगा। इस बार कटऑफ गिरेगी। इसमें कुल 158 पद हैं और 1.18 लाख ने आवेदन भरे हैं। उपस्थिति फिलहाल 80-85 फीसदी दिख रही है। परीक्षा के लिए 52 जिलों में कुल 342 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें इंदौर में 71 केंद्रों पर 25,700 उम्मीदवार परीक्षा दे रहे हैं।

यहां तक जाएगा कटऑफ: उम्मीदवारों और विशेषज्ञों से बात करने के बाद सामने आया है कि इस बार कटऑफ गिरेगी, हालांकि बहुत अधिक नहीं गिरेगी, क्योंकि पद केवल 158 ही हैं। लेकिन उम्मीदवार भी कम हैं। ऐसे में यह कटऑफ 80 फीसदी से अधिक नहीं होगी, यानी जो 80 फीसदी अंक को टच कर रहा है, वह सेफ और 87 फीसदी वाले मुख्य रिजल्ट के जोन में हैं। कटऑफ का स्तर 75 से 80 के बीच रहने की बात कही जा रही है। यदि पद और आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिहाज से देखें तो साल 2019 से अब तक के समय में सबसे कम औसत कॉम्पिटिशन 2022 की परीक्षा में था, जब 457 पदों के लिए 2.75 लाख आवेदन थे, यानी प्रति पद 601 उम्मीदवारों के बीच कॉम्पिटिशन। वहीं, 2024 की परीक्षा में कम पद (केवल 110) होने के कारण यह अनुपात प्रति पद 1718 उम्मीदवारों तक पहुंच गया था। लेकिन इस बार 2025 में यह घटकर प्रति पद केवल 746 उम्मीदवार रह गया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बेला-सिलपरा बाईपास सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्माणाधीन रीवा में बेला-सिलपरा बाईपास मार्ग का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने बाईपास मार्ग में बनाये जा रहे पुलों के निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बेला से सिलपरा बाईपास का निर्माण पूरा होने से रीवा शहर में रिंग रोड के दोनों भाग पूरे हो जायेंगे। जबलपुर तथा सतना की ओर से आने वाले एवं सीधी और सिंगरौली जाने वाले वाहनों को बेला से सीधा मार्ग मिल जायेगा। बाईपास का निर्माण पूरा होने से रीवा में वाहनों का दबाव घटेगा। यह बाईपास रीवा के साथ-साथ सीधी और सिंगरौली जिले के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्य में किसी भी तरह की बाधा आने पर तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करायें। बरसात से पहले बाईपास सड़क का निर्माण हरहाल में पूरा करायें। यह सड़क विन्ध्य में औद्योगिक विकास को गति देने में भी सहायक होगी। निरीक्षण के समय प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवड़े, तकनीकी अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नई आबकारी नीति: दुकान परिसर में मदिरापान की नहीं रहेगी अनुमति

भोपाल। मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के अनुसार प्रदेश में घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानों को 1 अप्रैल 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, अमरकंटक, सलकनपुर, बरमान कला, लिंगा, बरमान खुर्द, कुंडलपुर, बांदकपुर शामिल है। नई आबकारी नीति के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाइन आउटलेट के लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे एवं उनके संचालन की अनुमति भी नहीं होगी। नये जिलों में मदिरा दुकानों का संचालन एवं प्रशासन वहां के जिला कलेक्टरों के अधीन किया जाएगा। जनजातीय बंधुओं के हित में वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा का विक्रय किया जा सकेगा। एयरपोर्ट काउंटर पर भी हेरिटेज मदिरा विक्रय की अनुमति रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरापान की अनुमति नहीं होगी।

नई आबकारी नीति के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। जिला निष्पादन समिति मदिरा दुकानों का विस्थापन कर जिले में अन्य स्थान पर विस्थापित दुकान खोलने, दुकान का पोटेंशियल क्षेत्र निर्धारित करने, दुकानों का आरक्षित मूल्य निर्धारण करने, मदिरा दुकानों के एकल समूह का गठन या पुनर्गठन करने, शासन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दुकानों का निष्पादन करने संबंधी सभी कार्य करेगी।

आईएएस वरनाली डेका की पोस्ट पर कमेंट से मुसीबत में!

गुवाहाटी। असम के एक व्यक्ति को फेसबुक पर महिला आईएएस अधिकारी का मजाक उड़ाते हुए हंसी का इमोजी पोस्ट करने के बाद कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमित चक्रवर्ती ने कोकराझार की डिप्टी कमिश्नर वर्नाली डेका के मेकअप न करने को लेकर किए गए एक पोस्ट पर हंसी का इमोजी पोस्ट किया था. डेका ने इस पर मामला दर्ज कराया और चक्रवर्ती को कोकराझार कोर्ट में समन भेजा, जो उनके घर से 273 किलोमीटर दूर है. डेका ने चक्रवर्ती और दो अन्य व्यक्तियों पर साइबर स्टॉकिंग और यौन रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया. विवाद तब शुरू हुआ जब नरेश बरुआ ने डेका की फोटो पर टिप्पणी की, आज मेकअप नहीं किया, मैम इसके बाद चक्रवर्ती ने 'हाहा' इमोजी पोस्ट किया, जिसे डेका ने आपत्तिजनक माना. डेका ने बरुआ को जवाब दिया, यह तुम्हारा मामला क्यों है? इस घटना के बाद, डेका ने चक्रवर्ती, बरुआ और तीसरे व्यक्ति अब्दुल सुभुर चौधरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. अदालत की प्रक्रिया के तहत, पोस्ट के स्क्रीनशॉट सबूत के रूप में प्रस्तुत किए गए. डेका ने अपनी एक प्रतिक्रिया में चौधरी को चेतावनी दी, कृपया भारतीय दंड संहिता की धारा 354ष्ठ के तहत

साइबर स्टॉकिंग को समझें. आप इसके तहत दोषी हैं और मैं साइबर सेल में शिकायत कर रही हूं. आपको मुझे स्टॉक करने की बजाय अपने काम पर ध्यान देना चाहिए था चक्रवर्ती को टैग करते हुए डेका ने एक और पोस्ट में लिखा, यह एक अपमानजनक और यौन रूप से रंगी टिप्पणी है. धारा 354 का संदर्भ लें. मैं आपके खिलाफ शिकायत दर्ज कर रही हूं. आप इसे बढ़ावा देने के दोषी हैं. चक्रवर्ती, जिन्हें जमानत लेनी पड़ी, ने हैरान होते हुए कहा, मैंने सिर्फ एक फेसबुक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी- और हंसी के इमोजी पर मुझे जमानत लेनी पड़ रही है. मुझे नहीं पता था कि वर्नाली डेका एक आईएएस अधिकारी या डिप्टी कमिश्नर हैं.उन्होंने बताया कि 23 जनवरी को कोकराझार पुलिस स्टेशन से उन्हें फोन आया था. जब मैंने पूछा, 'मैं बिना किसी कारण के क्यों आऊं?' तो उन्होंने कहा, 'आपके खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया हैचक्रवर्ती ने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि एक आईएएस अधिकारी ने इतनी मामूली बात पर इतनी गंभीर कार्रवाई करने का समय कैसे निकाला. उन्होंने आगे कहा, मेरे एक इमोजी की प्रतिक्रिया के लिए मुझे परेशान किया जा रहा है.

एआई के साथ विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में आयोजित वैश्विक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन समिट में जो बातें कहीं उनसे संकेत मिलता है कि देश के नीति निर्माता एआई पर सही दिशा में विचार कर रहे हैं। उन्होंने रोजगार को नुकसान पहुंचने के खतरे को सबसे बड़ी चिंता बताया। साथ ही उन्होंने साइबर सुरक्षा, गलत सूचनाओं के प्रसार और डीपफेक की चिंता भी सबके सामने रखीं। जैसा उन्होंने कहा, एआई वाले भविष्य को देखते हुए हमें अपनी आबादी को नए सिरे से कौशल संपन्न बनाने की आवश्यकता है।

मोदी ने पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा के नए स्रोत विकसित करने की जरूरत पर भी जोर दिया क्योंकि नई तकनीकों के साथ स्वच्छ, स्थिर ऊर्जा की मांग बढ़ जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि भारत का एआई मिशन एआई संसाधनों के लिए निजी-सार्वजनिक साझेदारी तैयार करेगा। इसमें सरकार हार्डवेयर कंप्यूट तथा शुरुआती शोध एवं विकास पर निवेश करेगी। उसका इस्तेमाल कर निजी क्षेत्र वाणिज्यिक ऐप्लिकेशन तैयार कर सकता है।

भारत में तकनीकी तौर पर माहिर लोगों की भरमार है, जिसके कारण यह दुनिया का सबसे अधिक एआई प्रतिभाओं वाला देश है। देश की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा तरह-तरह की स्थानीय भाषाएं बोलता है, जिसकी वजह से यहां शोध की जबरदस्त गुंजाइश बन जाती है। सरकार बड़े भाषाई मॉडल तैयार करने पर निवेश कर रही है, जो शायद डीपसीक की तर्ज पर किफायती ऐप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस के साथ ओपन सोर्स हों। भारत को एआई के सबसे बड़े बाजारों में से एक माना गया है।

पिछले दिनों भारत आए ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और इसमें चकित होने वाली कोई बात नहीं है क्योंकि देश में मोबाइल ब्रॉडबैंड इस्तेमाल करने वालों की सबसे बड़ी तादाद है, स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं और डिजिटल भुगतान प्रणाली से जानकारी यानी डेटा का बड़ा भंडार तैयार हो रहा है। एआई से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने के लिए फुर्ती दिखानी होगी। एआई की तस्वीर तेजी से बदल रही है क्योंकि ओपन सोर्स पैठ बना रहा है और नए ऐप्लिकेशन तैयार हो रहे हैं। उदाहरण के लिए चैटजीपीटी को इस उम्मीद के साथ पेश किया गया था कि बड़े प्रोपराइटरी मॉडल तैयार करने के लिए भारी निवेश की जरूरत होगी। क्लाउड, जेमिनाई, लामा और ग्रॉक भी यही सोचकर उतारे गए थे। परंतु डीपसीक ने खेल ही पलट दिया।

कंप्यूटिंग क्षमता के विकास पर सरकार के इरादे और डेटा केंद्रों के विस्तार को बढ़ावा देने पर उसका जोर सही दिशा में हैं। किंतु उसे जरूरत के मुताबिक बदलने के लिए तैयार रहना होगा। भारत को ऐसी तकनीक या हार्डवेयर में फंसकर नहीं रह जाना चाहिए, जो तेज बदलावों के दौर में आए नएपन के कारण पिछड़ जाएं। मोदी ने कहा कि नीति निर्माताओं को ऐसे मॉडलों पर नजर रखनी चाहिए, जो पूर्वाग्रह के साथ काम करते हैं। एआई उपलब्ध जानकारी के आधार पर मॉडल तैयार करता है और पहले से मौजूद पूर्वाग्रह उसमें भी झलकते हैं।

कॉकेशन तस्वीरों के हिसाब से तैयार किए गए फेस रिकग्निशन यानी चेहरा पहचानने वाले प्रोग्राम एशियाई चेहरों को ठीक से नहीं पहचान पाते हैं। इसी तरह डेटा में यदि स्त्री-पुरुष, नस्ल या जाति के आधार पर भेदभाव करने वाला कोई पूर्वाग्रह है तो वह मॉडल में भी नजर आएगा। यूं तो यह समस्या दुनिया भर में है मगर भारत में असमानता इतनी ज्यादा है कि यहां समस्या बहुत गंभीर हो जाएगी। अगर एआई को भारतीयों के लिए ठीक से काम करना है तो इन पूर्वाग्रहों को दूर करना जरूरी होगा।

एआई नई क्षमताएं विकसित कर रहा है, इसलिए नीति निर्माताओं को संबंधित कानूनों में बदलाव के लिए भी सक्रियता दिखानी होगी। नई अप्रत्याशित समस्याएं सामने आ सकती हैं, जिनके लिए कानूनों को आनन-फानन में बदलना पड़ सकता है। कानून प्रवर्तन और रक्षा क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल भी चिंता का विषय है। एआई का इस्तेमाल दमन के औजार के रूप में भी हो सकता है क्योंकि इसकी मदद से निगरानी का दायरा बहुत बढ़ जाता है।

रक्षा क्षेत्र में यह बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है क्योंकि इससे कोई भी काम करने की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। लेकिन बिना सोचे-समझे इस्तेमाल हुआ तो यह बहुत विध्वंसक भी बन सकता है। एआई के दौर में सुशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसे दमन के औजार के रूप में नहीं इस्तेमाल किया जाए। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नीतियों के जरिये शर्त बनानी होंगी, जिनसे एआई का इस्तेमाल दक्षता बढ़ाने और विकास करने में ही हो।

कभी अंग्रेजी नहीं आने पर मजाक बनी, फिर आईएएस बनी

सुरेश तिवारी

सपना वो नहीं, जो आप नींद में देखते हैं। सपना वो है, जो आपको सोने नहीं देता! 10वीं कक्षा में पढ़ते समय सुरभि ने आईएएस अधिकारी बनने का मन बना लिया था। तभी से वह परीक्षा की तैयारी में जुट गईं। सुरभि सतना जिले के अमदरा गांव की रहने वाली हैं। उनके पिता मैहर में सिविल कोर्ट में वकील हैं और उनकी मां अमदरा के हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षिका। सुरभि ने 10वीं तक की पढ़ाई गांव के हिंदी मीडियम स्कूल से की। इस कारण अंग्रेजी ज्ञान उसके लिए बहुत मुश्किल था। यहीं इन्होंने 10वीं के बोर्ड की परीक्षा 93.4त्र नंबर अर्जित किए।

सामान्यतः लोगों के मन में धारणा होती है कि अंग्रेजी स्कूल में पढ़ने वाले लोग ही आईएएस पीएससी बन सकते हैं, गांव के बच्चों या फिर हिंदी मीडियम वालों को तो इस बारे में सोचना ही नहीं चाहिए लेकिन सुरभि ने इन सारी भ्रांतियों को गलत साबित कर दिया। कॉलेज के बाद वे एक साल के लिए परमाणु वैज्ञानिक के रूप में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में शामिल हुई। इसके बाद वह गेट, इसरो, सेल, एमपीपीएससी, दिल्ली पुलिस और एफसीआई जैसी कई परीक्षाएं दी और हर जगह अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाई। उन्होंने ये सभी परीक्षाएं पहले ही प्रयास में पास कर लीं। उन्होंने ये सारी उपलब्धियां 21 साल की उम्र में पाई।

सुरभि जब पांचवी क्लास में थी, तब उसका बोर्ड का रिजल्ट आया जिसमें उनके मैथ्स में 100 में 100 नंबर आए थे। उनकी कॉपी देखकर टीचर ने सुरभि की तारीफ की और उन्हें मोटिवेट किया कि तुम आगे और भी अच्छा करने की क्षमता रखती हो। वो जिंदगी का पहला मौका था कि उन्हें किसी ने नोटिस किया। उसी पल वे समझ गईं कि अगर थोड़ी भी इंपॉर्टेंस पाना है या नज़र में आना है तो पढ़ाई ही एकमात्र तरीका है। उस दिन से सुरभि ने भीड़ से अलग अपनी पहचान बनाने के लिए पढ़ाई को जरिया बनाने की ठान ली।

सुरभि ने सफलता का शिखर छूने की कोशिशों को नहीं छोड़ा और अंततः अंग्रेजी पर को अपने लिए आसान बना लिया। 10वीं में सुरभि को गणित में 100 में से 100 नंबर मिले और वे मेरिट में आई। जब उसे 10वीं बोर्ड में 93.4त्र मार्क्स आए तब एक पत्रकार से इंटरव्यू में सहज ही कह दिया था कि मैं बड़ी होकर कलेक्टर बनूंगी और ये बात न्यूज़ की हेडिंग बन गई 'कलेक्टर बनना चाहती है सुरभि' और यह जीवन का एक अभिन्न अंग बनकर उसके मन में छप गई थी और उसने आईएएस क्रैक करके ही दम लिया। इस खबर का हेडिंग उसके लिए चुनौती बन गया।

12वीं तक गांव के ही स्कूल से ही पढ़ने के बाद सुरभि ने एमपी के स्टेट इंजीनियरिंग की परीक्षा पास की, मेरिट अच्छी थी इसलिए भोपाल इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला मिला। इंजीनियरिंग क्लास में पहुंची तो टीचर्स से छिपती घूमी, क्योंकि एक गांव की लड़की के लिए सब कुछ बहुत नया और अनोखा था खासकर अंग्रेजी में बात करना। सभी स्टूडेंट्स जहां अंग्रेजी में आंसर दे रहे थे, वहीं सुरभि सवाल का जवाब जानने पर भी अंग्रेजी न आने की वजह से नहीं दे पायीं।

लैब में एक्सपेरिटमेंट नहीं कर पायीं, क्योंकि उनके लिए सब नया था। हॉस्टल आकर वे खूब रोयीं और घर फोन करके कहा कि वापस आ रही हैं। इस पर मां ने बस इतना ही कहा कि अगर तुम वापस आ गई तो गांव की बाकी लड़कियों के लिए हमेशा के लिए रास्ता बंद हो जाएगा। तब सुरभि की आत्मा जागी और उन्होंने तय किया कि चाहे जो हो जाए वे अंग्रेजी पर कमांड करके ही रहेंगी। लेकिन, उन्होंने हिम्मत नहीं हारने के जज्बे और लगातार प्रयास करते रहने के दृढ़ संकल्प ने अंग्रेजी पर पकड़ मजबूत बनाई। इसके लिए हर दिन कम से कम 10 नए शब्द सीखे। इस प्रयास का नतीजा यह हुआ कि सुरभि ने पहले सेमेस्टर में टॉप किया और कॉलेज चांसलर अवार्ड हासिल किया। बाद में उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

इंजीनियरिंग करने के बाद उनकी जॉब टीसीएस में अच्छी सैलरी पर लग गईं। इसके बाद एक दिन सुरभि ने अपनी मां से कहा कि अब मैं कुछ नहीं करना चाहती, अब बहुत थक गई हूं। तब उसकी मां ने फिर उस उस न्यूज़ की याद दिलाई और कहा कि तुम्हारे जीवन का लक्ष्य कलेक्टर बनना है। अभी और मेहनत करो, तुम इस लक्ष्य को पा लोगी। मां की बात को आत्मसात कर सुरभि ने एक बार फिर उस न्यूज़ को पढ़ा और अपने मिशन में जुट गई।

उनकी मेहनत रंग लाई और साल 2016 में उन्होंने यूपीएससी क्रैक किया और ऑल इंडिया 50वीं रैंक हासिल की और ढ्ढस बनकर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया। जिस सुरभि का लोग अंग्रेजी नहीं आने पर मजाक उड़ाया करते थे, वो आज लाखों लोगों के लिए मिसाल हैं। वे देश की सबसे कम उम्र की ढ्ढस अधिकारियों में से एक हैं। ढ्ढस के बाद उन्हें गुजरात कैडर मिला और सुरभि गौतम फ़िलहाल गुजरात के वीरमगाम जिले में अपर कलेक्टर और जिला विकास अधिकारी के रूप में कार्यरत है।

शिवराज के यही अंदाज उन्हें खास बनाते हैं...

कौशल किशोर चतुर्वेदी

राजनीति में लोकप्रियता के अपने-अपने अलग-अलग अंदाज हैं। पर कुछ नेताओं के अंदाज उन्हें खास बनाते हैं। इनमें ही एक नाम है शिवराज। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम देश के गिने-चुने उन राजनेताओं में शुमार है, जिन्हें प्रथम पंक्ति में स्थान प्राप्त है। भाजपा के सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने का रिकॉर्ड उनके नाम पर है। तो मध्यप्रदेश में सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड भी उनके नाम पर है। केंद्रीय कृषि मंत्री विगत 3 वर्ष से प्रतिदिन पौधारोपण कर रहे है। यह बात अपनी जगह ठीक है। जब मुख्यमंत्री पद से हटे तो उन्होंने वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से श्यामला हिल्स पर उनके द्वारा विकसित वन स्थली पर पौधारोपण करने की अनुमति भी मांग ली। खैर यह बात और है। पर फिलहाल उनके छोटे बेटे की शादी चर्चा में रही। विशिष्ट मेहमानों ने बेटे-बहू को आशीर्वाद दिया। पर इन सबसे अधिक चर्चा शिवराज के उस खास अंदाज की रही, जब बेटे-बहू कुणाल-रिद्धि को आठवां वचन दिला दिया। यह कार्य शिवराज जैसा पिता ही कर सकता है। और इसीलिए शिवराज का राजनीति और जन-जन के मन में अलग स्थान है। उनकी सहजता, सरलता, विनम्रता जनता जानती है तो यह भी छिपा नहीं है कि उनके साथ कार्य करने वाले राजनेता उनकी क्लिष्टता से भी खूब परिचित होंगे। खैर अभी हम बात कर रहे हैं शिवराज के उस खास अंदाज की, जिसमें उन्होंने छोटे बेटे कुणाल के विवाह अवसर पर कुणाल और रिद्धि को आठवां वचन दिलाया कि प्रतिवर्ष विवाह की वर्षगांठ पर पौधारोपण करोगे, प्रकृति की सेवा करेंगे और अपना जीवन परोपकार के कार्यों एवं लोगों की सेवा में लगाएंगे। शिवराज ने बताया कि 14 फरवरी 2025 को कुणाल और रिद्धि ने सात वचनों के साथ आठवां वचन पौधरोपण कर प्रकृति की सेवा के लिए लिया। यह वचन न केवल उनके प्रेम और संकल्प का प्रतीक है, बल्कि हमारी धरती मां के प्रति जिम्मेदारी और देखभाल करने का संदेश भी है। दोनों बच्चे सदैव प्रसन्न रहें, हमारी मां समान प्रकृति सुरक्षित रहे; यही कामना है।

तो पहले के सात वचनों के बारे में भी उन्होंने ज्ञानवर्धन किया कि सनातन परंपरा में सोलह संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है विवाह, दो आत्माओं का पवित्र मिलन है। यह एक सामाजिक बंधन के साथ साथ जीवन के चार प्रमुख पुरूषार्थों की पूर्ति का मार्ग भी है। आज मेरे बेटे कुणाल और बेटी रिद्धि ने विधिवत् वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया, अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरों के साथ सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन लिया। इन सात फेरों का हर कदम प्रेम, विश्वास, सम्मान और समर्पण की अटूट डोर में बंधा है। दोनों ने एक साथ मिलकर चलने, ऐश्वर्य प्राप्त करने, सदा पुरुषार्थी होने के लिए एक-दूसरे को सात वचन किए। पहला वचन हर धार्मिक कार्य में सहभागी होने के लिए, दूसरा वचन अभिभावकों का सदैव सम्मान करने के लिए, तीसरा वचन तीनों अवस्थाओं (युवावस्था, प्रौढ़ावस्था, वृद्धावस्था) में साथ देने के लिए, चौथा वचन कुटुंब पालन के लिए, पांचवां वचन धन के व्यय में आपसी सहमति हेतु, छठवां वचन सदा सम्मान के लिए और सातवां वचन प्रत्येक स्त्री में माता का रूप देखने के लिए। और आठवां वचन दिलाने के साथ शिवराज ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, कि कुणाल को जीवन के इस नए अध्याय में प्रवेश करते देखना मेरे और साधना के लिए बेहद भावुक और आनंद से भरा क्षण है। यह विवाह दो दिलों के मिलन के साथ दो परिवारों के बीच खुशियों और आत्मीयता का एक अनुपम प्रयाग भी है।मेरी ओर से कुणाल और रिद्धि को इस मंगलमय यात्रा की अनंत शुभकामनाएं और आशीर्वाद। उनका जीवन उद्देश्यपूर्ण हो, प्रेम, विश्वास, आपसी समझ और खुशियों से भरा रहे। ईश्वर से प्रार्थना है कि ये नया अध्याय उनके जीवन में सुख, समृद्धि और आनंद का प्रतीक बने।

तो है न खास बात। बहनों के भैया, बेटे-बेटियों के मामा और मध्यप्रदेश के जन-जन के ह्रदय में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाले शिवराज सिंह चौहान का अंदाज राजनीति में पदार्पण करते हुए सबसे अलग रहा है। चाहे सांसद रहते हुए कन्याओं के विवाह की शुरुआत करने की बात हो जो बाद में मुख्यमंत्री बनने पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना बनी हो। चाहे बेटे-बेटियों के प्रति सामाजिक दायित्व के निर्वहन को प्रदर्शित करती दूसरी कई योजनाएं रही हों।

17 फरवरी 1881 सशस्त्र क्रान्ति के नायक लहूजी साल्वे का बलिदान

इनका संघर्ष सत्ता के लिये नहीं स्वत्व और स्वाभिमान के लिये था

रमेश शर्मा

भारत में दासता के अंधकार की अवधि यदि संसार में सबसे अधिक रही है तो स्वाधीनता संघर्ष केलिये संघर्ष और बलिदान भी सर्वाधिक भारत में ही हुआ । यह संघर्ष लगभग बारह सौ साल चला और लाखों प्राणों का बलिदान हुआ। ऐसे ही एक बलिदानी वीर हैं लहूजी साल्वे ।

उनका संघर्ष किसी सत्ता केलिये या सत्ता में भागीदरी के लिये नहीं था । उनका पूरा जीवन राष्ट्र, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिये समर्पित था । लहूजी के पूर्वज शिवाजी महाराज के समय पुरन्दर किले के रक्षकों में थे । इसीलिए लहू जी के आदर्श छत्रपति शिवाजी महाराज थे । स्वत्व और स्वाभिमान केलिये लहूजी के संघर्ष का उल्लेख आगे चलकर लोकमान्य तिलक जी ने भी किया है ।

ऐसे वीर लहूजी का जन्म 14 नवम्बर 1794 को महाराष्ट्र के एक स्वराज्यनिष्ठ परिवार में हुआ । छत्रपति शिवाजी महाराज के हिन्दु पदपादशाही स्थापना अभियान में सहभागी रहे पूर्वजों के संस्कार परिवार में थे । अतएव लहूजी को स्वराष्ट्र की गरिमा, स्वाभिमान संपन्न जीवन शैली मानों माता के गर्भ से मिली थी । यह परिवार पुरन्दर किले की तलहटी में बसे गाँव पेठ का निवासी था । पुरन्दर का किला शिवाजी महाराज के संघर्ष और शौर्य का साक्षी रहा है । आज भी इस क्षेत्र के निवासी शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और विजय गाथाएँ गाते हैं। स्वत्व और स्वाभिमान के लिए मर मिटने की प्रेरणा के साथ लहूजी का जीवन आरंभ हुआ ।

बालक का जब जन्म हुआ तब चेहरे पर एक विशिष्ट लालिमा थी । इसीलिये इस लालिमा के अनुरूप उनका नाम लहूजी रखा गया। पिता राघोजी पेशवा की सेना में काम करते थे। युद्ध कथाओं की चर्चा अक्सर होती थी, अस्त्र-शस्त्र भी थे । इसलिए लहूजी के मन में बचपन से ही शस्त्रों के प्रति आकर्षण उत्पन्न हुआ । बालक की इस रुचि देख पिता राघोजी ने प्रोत्साहित किया । वे लहूजी को अस्त्र-शस्त्र चलाने का अभ्यास कराने लगे । लहूजी ने किशोर वय तक सभी अस्त्र-शस्त्र चलाना सीख लिया । उन्हे पट्टा चलाने में विशेष महारत हो गई। उन्होंने एक व्यायाम शाला भी स्थापित की । जिसमें स्थानीय युवा शारीरिक शक्ति का अभ्यास करते थे ।

अभी लहूजी 24 वर्ष के थे तभी 1817 में पेशवा और अंग्रेजों के बीच निर्णायक युद्ध आरंभ हुआ। मराठा सेना ने पूरी शक्ति से युद्ध तो किया । किन्तु अंग्रेजों की कुटिलता से सेना का एक बड़ा समूह अंग्रेजों से मिल गया । पेशवा की हार हुई और पुणे छोड़ना पड़ा। लहूजी के पिता राघोजी इस युद्ध में बुरी तरह घायल हुए। जीवित बंदी बनाये गये । अंग्रेज सैनिकों ने उनका बहुत उत्पीड़न किया। अंग्रेजों की अमानुषिक प्रताड़ना से राघोजी का प्राणान्त हुआ ।

परिस्थितियां बदलीं, मराठा साम्राज्य का पतन हुआ और अंग्रेजों का शोषण आरंभ हो गया । कुछ स्थानीय लोग अपने प्राणों के भय या लालच में अंग्रेजों के साथ हो गये । क्षेत्र में शोषण का दौर आरंभ हुआ, गावों में भुखमरी जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो गयी । लहूजी अपने पिता की दर्दनाक मृत्यु से पहले ही आहत थे अब स्थानीय निवासियों की पीड़ा ने उन्हें उद्वेलित कर दिया । उन्होंने संघर्ष करने का निश्चय किया । वे अंग्रेजों के विरुद्ध वैचारिक और सशस्त्र संघर्ष की तैयारी करने लगे । उन्होंने स्थानीय युवकों को संगठित किया तथा सह्याद्रि की पहाड़ियों में एक सशस्त्र सेना का गठन किया । उन्होंने दो टोलियाँ बनाईं। एक टोली ने शिवाजी महाराज के शौर्य की गौरवगाथा के गीत गाँव गाँव सुनाकर स्वाभिमान जागरण का अभियान चलाया इससे स्थानीय युवा इस संघर्ष की ओर आकर्षित हुये तब दूसरी सशस्त्र सैन्य टुकड़ी तैयार की । इस सैन्य टुकढ़ी ने अंग्रेज छावनियों पर धावा बोलना शुरू किया। सशस्त्र संघर्ष की यह टुकड़ी कभी एकत्र होकर न रहती थी । युवा गाँवों में ही रहते थे लेकिन जब छापामारने की योजना बनती तब एकत्र होकर धावा बोलते और फिर अपने अपने घर आ जाते । अंग्रेज इस युद्ध शैली से घबराये उन्होंने इससे बचने केलिये स्थानीय समाज के कुछ वर्गों को भड़काया । सामाजिक वातावरण बदला तो लहूजी ने अपने कुछ विश्वस्त साथियों को पेशवा की सेवा में कानपुर भेज दिया ।

सह्याद्रि क्षेत्र में 1857 का संघर्ष लहू जी साल्वे की टोली ने ही किया था । क्रांति की असफलता के बाद लहूजी अज्ञातवास में चले गये । उनके बलिदान के विवरण पर इतिहासकारों में मतभेद हैं। एक विवरण में कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान ही 17 फरवरी 1881 को उन्होंने संसार से विदा ली । जबकि दूसरे विवरण में कहा जाता है कि विश्वासघात के आधार पर वे बंदी बनाये गये और अंग्रेजों की प्रताड़ना से उनका बलिदान हुआ । दोनों ही विवरणों में बलिदान की तिथि 17 फरवरी ही है । उनका बलिदान अज्ञातवास में हुआ या अंग्रेजी कैद में पर उनका पूरा जीवन राष्ट्र संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा संघर्ष केलिये समर्पित रहा ।

शत शत नमन ऐसे बलिदानी वीर को..

एमसीयू के नवागत कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने लिखी भावुक पोस्ट

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के नवागत कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है। कुलगुरु के रूप में उत्तरदायित्व मिलने के बाद यह उनका पहला आलेख है।

बीते 15 माह से गांव में था। अपने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमरूद में। रिवर्स माइग्रेशन की एक पहल। शहरों से गांव लौटकर मिल जुलकर कुछ नया करने का प्रयास। तीस साल शहरों में बिताने के बाद गांव का यह अनुभव एक अलग किताब का विषय है। बागवानी का प्रयोग अब पटरी पर आ गया है और एक छोटी सी टीम बन गई है। ढाई हजार पौधे अपने पूरे आकार में उभरकर लंबी कतारों में किसी अनुशासित सेना की तरह लहरा रहे हैं। मेरी पूज्य मां के सबसे प्रिय खेत में, जिसे हमने उन्हीं के नाम पर समर्पित किया है-सावित्री वृक्ष मंदिर।

मार्च से काम पर वापस लौटने का विचार था और मीडिया के कुछ विकल्प भी थे। एक प्रिंट और दूसरा टीवी का। मुझे 15 फरवरी तक तय करना था कि भोपाल में रहूं या मुंबई का रास्ता लूं, किंतु जिंदगी अक्सर चौंकाती भी है। मेरे जीवन में ऐसा अनेक बार हुआ है।

मैं गांव से अपना बोरिया बिस्तर समेटने में ही लगा था और कुछ सामान लेने भोपाल आया था कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ऑफिस से बुलावा आया। हम आधे घंटे मिले। उन्हें मीडिया में मेरी भूमिका के विषय में विस्तार से पता था। कुछ विषयों पर केवल औपचारिक बात करते रहे। वे पढ़ने के शौकीन हैं और इतिहास में गहरी रुचि रखते हैं तो इतिहास के विषयों पर ही बात हुई। अधिकतर मध्यप्रदेश के संदर्भ में। मैं समझा नहीं कि अचानक इस चर्चा का कारण क्या है। स्वादिष्ट ग्रीन टी की चुस्कियों के बीच यह एक सामान्य सौजन्य भेंट सी थी। यह देर शाम की बात है।

मैं गाड़ी ड्राइव करके घर लौटा और गाड़ी से उतरा भी नहीं था कि फोन बजना शुरू हो गया। रजिस्ट्रार अविनाश वाजपेयी ने बधाई देते हुए बताया कि आदेश हो गया है। मैं सोशल मीडिया के संदर्भ में सतर्क रहता हूं। इंटरनेट पर कोई भी किसी भी प्रकार का आदेश जारी कर सकता है। अक्सर खबरों में आता है कि फलाँ नेताजी को पार्टी की राष्ट्रीय इकाई में बड़ा पद मिल गया है। महासचिव के हस्ताक्षर से आदेश प्रसारित हो गया। मिठाई बट गई। पोस्टर लग गए। जुलूस निकल गए। बाद में पता चला कि वह आदेश यूं ही किसी की शरारत था। वाजपेयी ने आश्वस्त किया कि आपके मैटर में ऐसा नहीं है। आप बधाई ले सकते हैं। मैंने उनकी गारंटी पर लगातार आ रहे फोन काल्स लिए। जितने लिए, उससे अधिक अब तक कॉल बैक कर रहा हूं।

मीडिया की सेवाओं के दौरान पहली बाइलाइन, पहली पीटूसी, पहला लाइव कवरेज, पहली किताब, पहली समीक्षा, पहला पुरस्कार, पहला सम्मान, पहली विदेश यात्रा इत्यादि ऐसे अवसर हैं, जो हरसूद पर लिखी किताब के बाद झड़ी से लगे रहे हैं। भारत यात्राओं के वृत्तांत को छोड़कर मैंने कभी अपनी किसी पुस्तक का विमोचन नहीं किया। लिख दी है, बात खत्म। अब क्या विमोचन और क्या चर्चा-गोष्ठी करना। दम होगी तो किताब अपना पाठक खुद खोज लेगी। हम हट जाएं।

मध्यप्रदेश को ही मैंने अपनी पत्रकारिता का गर्भगृह बनाया था और यहीं से पूरे भारत की आठ-दस परिक्रमाएँ करने का पुण्य प्राप्त किया। पहले भोपाल, फिर इंदौर, फिर भोपाल और फिर इंदौर होकर फिर भोपाल। दीवार पर टंगे कैलेंडर 1994 से 2018 तक आ गए। फिर मीडिया से विदा लेकर एक नई भूमिका में गांव चला गया।

लेकिन बीती 11 फरवरी की शाम अवर सचिव कैलाश बुंदेला के हस्ताक्षर से जारी ए-फोर साइज के एक आदेश ने जितना भावुक किया, शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। 1993 में जिस माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय संस्थान में पढ़ने आया था, वह दूसरा बैच था और शासन का यह आदेश बता रहा था कि मुझे मध्यप्रदेश की माटी के एक महान सपूत दादा माखनलाल चतुर्वेदी के नाम पर स्थापित उसी विश्वविद्यालय में कुलगुरु के रूप में चुना गया है। त्रिलंगा परिसर की छोटी सी गुलाबी इमारत से बिशनखेड़ी में 50 एकड़ के भव्य परिसर तक की विश्वविद्यालय की महायात्रा 35 साल की है। मेरे अनेक पूर्ववर्ती महानिदेशकों, कुलपतियों और अब कुलगुरु ने इसे यहां तक पहुंचाया। जिसे जितना समय मिला, अपना सर्वश्रेष्ठ देकर ही गया।

मैं हैरान हूं। शायद ही देश का कोई न्यूज चैनल, कोई अखबार, कोई शहर हो जहां अपनी प्रतिभा और परिश्रम से अपना स्थान बना रहे विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने शुभकामनाएँ न दी हों। अधिकतर से मैं कभी मिला नहीं। जानता भी नहीं। किंतु वे मुक्त मन से प्रसन्न थे। यह विश्वविद्यालय की असल पूंजी है। जो भी जहां है, वह इस विश्वविद्यालय का ब्रांड एंबेसडर है।

पहले दिन परिसर में गाड़ी से उतर ही रहा था और मुंबई से हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार धर्मवीर भारती की पत्नी श्रद्धेय पुष्पा भारती का आशीर्वाद के लिए फोन कुछ अमूल्य सुझाव सहित आया। अयोध्या के आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण ने प्रयागराज के अपने शिविर से अपने संग मेरी एक तस्वीर लगाकर एक्स पर अपने आशीष प्रेषित किए।

परिसर के नए कार्यालय में मैंने त्रिलंगा काल के दो सबसे सीनियर साथी नारायण और बाला को आमांत्रित करके उनसे कहा कि उन्हें मुझसे यह पूछने का अधिकार है कि मैं किस हैसियत से कुलगुरु के आसन पर विराजमान होने चला आया हूं? मेरी क्या कमाई है, जो डिग्री लेकर निकलने के बाद अर्जित की। और अगर आपको लगता कि मैं चयनकर्ताओं का सही चुनाव नहीं हूं तो प्रवेश द्वार से लौटाने का अधिकार आपको है, आपने एक विद्यार्थी के रूप में हमें यहां आते और जाते देखा है और अब एक नई भूमिका में आते हुए देख रहे हैं। आप पूछ सकते हैं।

मैंने अपनी जमापूंजी के केवल तीन प्रमाण अपने झोले से निकालकर उनकी खंडपीठ में प्रस्तुत किए- पहला, अखबारी दुनिया पर लिखा गया उपन्यास स्याह रातों के चमकीले ख्वाब, दूसरा अपनी स्वर्गीय मां पर केंद्रित अखबार सावित्री समाचार और तीसरा सबसे महत्वपूर्ण 1993 की एक दुर्लभ डायरी, जिसमें डॉ. एनके त्रिखा, कमल दीक्षित, डॉ. श्रीकांत सिंह और ओम नागपाल की कक्षाओं के नोट्स अब तक सुरक्षित रखे थे। मैंने राहत की सांस ली कि नारायण और बाला ने कृतज्ञ भाव से मुझे स्वीकार किया। प्रभात प्रकाशन से छपी स्याह रातों के चमकीले ख्वाब विश्वविद्यालय से मीडिया के असीम आकाश में उड़ान भरने वाले हजारों नवजात सपनों की कहानी है।

ग्वालियर से मेरे वरिष्ठ और अपने विचारों पर सदा अटल-अचल राकेश अचल, वडोदरा में किडनी की तकलीफ से जूझ रहे राकेश दुबे ने फूलों का गुलदस्ता सप्रे संग्रहालय में सबके बीच भेजा, इंदौर में नाम के राणा और दिल के महाराणा कीर्ति राणा, इंदौर के ही मुकेश तिवारी, शब्दों के सफर में धरती-आकाश नाप रहे अजित वडनेरकर, द सूत्र के आनंद पांडे ने शासन द्वारा की गई चार महत्वपूर्ण सर्वोच्च नियुक्तियों में इसे भी गिन लिया, हमारे अब तक के किए धरे पर निरंतर दृष्टि रखने वाले पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर और पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा, वाइल्ड लाइफ बोर्ड के सदस्य आदरणीय मोहन नागर और भारत भवन न्यास के अध्यक्ष प्रसिद्ध रंगकर्मी वामन केंद्र, स्वदेश के समूह संपादक अतुल तारे, नईदुनिया के समय से मेरे सीनियर शिवकुमार विवेक और इन दोनों अखबारों के बीच अपनी लंबी पत्रकारीय यात्रा करने वाले गिरीश उपाध्याय, विद्यार्थी जीवन से लेकर अब तक जिनके किस्सों ने हमारे लिखने के सलीके सुधारे कमलेश पारे, मंडी बामौरा के मेरे स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय के सहपाठियों तक कितने मित्रों की पोस्टें और टिप्पणियाँ हैं, किन-किनके नाम लूं।

अंत में एक प्रेस नोट जारी हुआ, जिसमें मेरे पदभार ग्रहण की सदाबहार टाइप सूचना थी। तब मैंने एक संशोधन किया कि ये न पद है, न भार है, पदभार भी नहीं है। एक उत्तरदायित्व है, जो दिया गया है। एक विश्वास है, जो जताया गया है। न पाना सरल है, न निभाना। परमात्मा ने निमित्त बनाया। उसकी अपार अनुकंपा के आगे नतमस्तक हूं। सदा से। बस आज गए और अपना चिमटा-कमंडल रख आएज

कुलगुरु चयन समिति के सभी सदस्यों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मेरे प्रति विश्वास जताने के लिए ह्रदय से आभार।

(लेखक एमसीयू के नवागत कुलगुरु व द सूत्र के एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

गुड़ घानों की बिना निरक्षण बिना सेम्पल लिए खाद्य अधिकारी संदीप पाटिल वापस लौटे

सभी गुड़ घानो की जाँच संयुक्त टीम से पुनः करायी जायेगी ..एस डी एम बड़ोनिया

सांध्य प्रकाश , योगेश गुप्ता बैतुल/आमला। गुड घानों की जांच को लेकर खाद्य अधिकारी संदीप पाटिल की कार्यवाही कुछ शंका प्रद हो सकती है। वहीँ गुड घानों संचालक भी नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते नही चूकते। अधिकांश घानों पर गुड चमकदार बनाने के लिए केमिकल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन खाद्य विभाग अधिकारी संदीप पाटिल जम्बाड़ा रोड पर गुड घानों पर निरीक्षण के लिए पहुंचे। पर उन्होंने बिना सेम्पल ,बिना जांच किये ही केमिकल मिलने की बात से इंकार कर दिया। जिससे गुड घाना संचालकों को संरक्षण मिलता है । दरअसल आमला ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रों में करीब सैकड़ा से अधिक गुड घाने संचालित हो रहे है। और गुड़ का रंग साफ और चमकदार करने के लिए कुछ गुड़ निर्माता / संचालक रसायन युक्त पदार्थों और ऐसे तेल का इस्तेमाल कर रहे है। जो स्वास्थ्य की दृष्टि से पूर्णतः वर्जित हैं। बावजूद औषधी एवं प्रशासन विभाग दुकानों पर बिकने वाली सामग्री आदि की तो जांच करते है। लेकिन कभी गुड़ बनाने में उपयोग करने वाले नुकसान दायक रसायन पदार्थों का निरीक्षण नहीं करते।

न सेम्पल लिये और न की जांच, पहले दे दी क्लिन चिट

निरीक्षण करने पहुँचे विभाग के अधिकारियों ने गुड का सेम्पल लेकर जांच के लिए नही भेजा। बल्कि घाना संचालकों के घानों पर खड़े रहकर स्पष्ट कह दिया । कि गुड मे किसी प्रकार का कोई केमिकल नहीं मिलाया गया। ऐसे में सवाल उठता है। कि केमिकल युक्त गुड से सेहत को किसी सेहत नुकसान हुआ तो क्या जिसके लिए विभाग जिममेदार हो सकता है। जानकार के अनुसार शुद्ध गुड़ का रंग वास्तव में डार्क ब्राउन होता है। गुड़ में हल्का सा सफेद या पीलापन होता है। सफेद या लाइट ब्राउन गुड़ में केमिकल या आर्टिफिशियल रंगों का इस्तेमाल किया जाता है।

गंदगी के बीच बन रहा गुड, फिर भी अधिकारी चुप रहे।

आमला क्षेत्र में संचालित गुड घानो का निरीक्षण दौरान रुमाल से नाक बंद किये हुए थे। जगह-जगह गंदगी फैली रही। लेकिन अधिकारियों ने अनदेखा कर दिया। जानकार बताते है। खाद सुरक्षा नियम के तहत हर खाद्य वस्तुओं की पूर्ण जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही बाजार में बेचने के लिए अनुमति प्रदान करना होता है।

इनका कहना है।

जम्बाड़ा मार्ग पर दो खम्बा गुड़ घानो की जांच की गई है। घाना संचालक द्वारा कैमिकल डालकर गुड़ नही बनाया जा रहा था। 200 मिल में से 90त्न मिलो के पास लाइसेंस है। सेम्पल नही लिए गए है।

सन्दीप पाटिल खाद्य
अधिकारी बैतूल

गुड़ और रेप के पुनः सेम्पल लिया जायेगा । गुड़ घानों की जांच पुनः संयुक्त टीम द्वारा करायी जायेगी। खाद्य अधिकारी संदीप पाटिल को निर्देश दिए जाएंगे। गड़बड़ी बर्दास्त नहीं किया जायेगा ।

एस डी एम शैलेन्द्र बड़ोनिया आमला

पीएम मोदी करेंगे प्रसिद्ध बागेश्वर धाम का दौरा

छतरपुर। पीएम मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम का दौरा करेंगे, कैंसर अस्पताल का भूमि पूजन मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध बागेश्वर धाम से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम का दौरा करेंगे। इस दौरान, वह बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का भूमि पूजन करेंगे। यह अस्पताल बुंदेलखंड क्षेत्र का पहला कैंसर अस्पताल होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने बागेश्वर धाम पहुंचकर पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात की। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की और बताया कि बागेश्वर धाम समिति और प्रशासन विशेष तैयारियों में जुटे हैं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल होंगी। इसके अलावा, बागेश्वर धाम में कन्या विवाह महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मू की उपस्थिति सुनिश्चित है। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने बयानों के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं।

तात्या टोपे जी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन किए अर्पित

सिरोंज। रविवार को भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम सेनानी तात्या टोपे के जन्मदिन पर बस स्टैंड स्थित तात्या टोपे की प्रतिमा पर कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण करके उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डाला उनके द्वारा देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी विस्तार से उनके जीवन चरित्र का वर्णन नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाहा ने किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू,संतोष चौरे तोष मणी पंथी, हरि बाबू भार्गव , अनिल यादव , संतोष रघुवंशी,हरिचरण अहिरवार, टीकाराम शाक्य , इमरान कुरेशी आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मृतक ड्राइवर के परिजनों को नगर पालिका ने दी 125000 की सहायता राशि

सिरोंज। पिछ्ले नगर पालिका परिषद के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी

के रूप में ड्राइवर की ट्रैक्टर के ब्रेक फेल होने से तथा टेंकर पलट जाने से उसके पहिए के नीचे दबाने से ड्राइवर डॉ खान की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू ने अनुग्रह सहायता राशि 125000 इनको उपलब्ध कराई गई है जिसका चेक देने के लिए इनके घर स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना ने पहुंचकर प्रदान की है। इसके अलावा श्री साहू ने बताया कि इनको बीमा की राशि भी मिलने वाली ओर इनकी पत्नी को 2000 रुपए हर महीने पेंशन के रूप में भी दिए जाएंगे इनका 15 दिन का समय पूरा हो जाने के बाद इनको नगर नगर पालिका कार्यालय में आकर साइन करके दस्तावेज जमा करने करने होंगे इसके बाद इनको पेंशन भी मिलना प्रारंभ हो जाएगी ।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बने मोहन योगी,पत्रकार बंधुओ ने दी बधाई

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)- ब्लाक श्रमजीवी पत्रकार इकाई ओबेदुल्लागंज के चुनाव प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदोरिया के निर्देशन में नगर के वरिष्ठ पत्रकार मोहन योगी को मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित किया गया रविवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से नगर के सक्रिय पत्रकार मोहन योगी को श्रमजीवी पत्रकार संघ का ब्लाक अध्यक्ष घोषित किया गया इस दौरान संगठन के संरक्षक रामगोपाल साहू चुनाव अधिकारी राजीव जैन, सचिन श्रीवास्तव, प्रीतम राजपूत की मौजूदगी में सभी पत्रकारों की सहमति से मोहन योगी को श्रमजीवी पत्रकार संघ का ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया गया है इस मौके पर पत्रकार सत्येंद्र पांडे, सुरेश केवट, दीपक नागर, बिजी लावनिया राजेश सैनी, अजय मालवी, वैभव जैन, राजकुमार लोधी, हरनामसिंह ठाकुर हरपाल सिंह राजपूत, पामेश यादव, बजरंग तंवर, वचन लोधी, संदीप श्रीवास्तव, कपिल राय, रामकृष्ण कहार, नीलेश वैष्णव, सुनील नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संपत्ति कर के नए निर्धारण का विरोध

श्रमजीवी पत्रकार संघ ने निंदा प्रस्ताव पारित किया

रतलाम । मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला बैठक में नगर निगम द्वारा सर्वे के आधार पर पिछले पाँच साल का संपत्ति कर वसूल करने का विरोध करते हुए निगम के इस फैसले के ख़िलाफ़ निंदा प्रस्ताव पारित किया है और निर्णय लिया है कि इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसे वापस लेने की माँग की जाएगी । स्थानीय महू रोड स्थित होटल गोल्डन टावर के सभागृह में संघ के पूर्व प्रदेश मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष शरद जोशी की विशेष उपस्थिति में आयोजित बैठक की अध्यक्षता नव नियुक्त अध्यक्ष राजेश जैन द्वारा की गई । बैठक को संबोधित करते हुए शरद जोशी ने कहा कि अब समय आ गया है कि जन हितैषी मुद्दों को लेकर पत्रकारों एवं पत्रकार संगठनों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी । रतलाम नगर निगम द्वारा हाल ही में सर्वे के आधार पर पिछले पाँच वर्ष का सम्पत्ति कर वसूलने के निर्णय को जन विरोधी निर्णय बताते हुए इसे वापस लेने की माँग की है और कहा है कि इस प्रकार की जन समस्याओं को लेकर जन जागृति अभियान चलाया जाकर उसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा । उन्होंने कहा कि जिस परिषद का कार्यकाल एक वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ है वह पिछले पाँच वर्ष का सम्पत्ति कर वसूलने का निर्णय कैसे ले सकती है जबकि आम जनता

पूर्व परिषदों द्वारा निर्धारित टैक्स जमा करती आ रही है । श्री जोशी ने अपने संबोधन में फर्जी पत्रकारों के ख़िलाफ़ अभियान चलाने तथा पत्रकारिता की आड़ में ब्लैक मेलिंग करने वालों के ख़िलाफ़ सख़्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया । श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राजेश जैन ने नगर निगम के संपत्ति निर्धारण के निर्णय पर निंदा प्रस्ताव रखा जिसे सर्वानुमति एवं ध्वनि मत से पारित किया गया । श्री जैन ने संघ की भावी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ पत्रकारों की समस्याओं के साथ साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों की वर्षों से लंबित जन समस्याओं पर भी फोकस करते हुए शासन और प्रशासन का ध्यान लगातार आकर्षित करता रहेगा । इस अवसर पर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषि कुमार शर्मा ने भी पत्रकारों को मार्गदर्शन दिया ।

जल जीवन मिशन की समीक्षा संपन्न , दिए गए अहम दिशा निर्देश

दमोह । मध्य प्रदेश जल निगम के मुख्य महाप्रबंधक सागर जोन अजय दिवाकर ने दमोह जिले में जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा सह प्रशिक्षण बैठक ली। उन्होंने प्रगतिरत योजनाओं को समय पर पूर्ण करने के साथ गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए काम करने के निर्देश दिए। जिन योजना में पेयजल प्रदाय किया जा रहा है वहाँ की

समितियों को योजना संचालन एवं प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए, जिससे गर्मियों के दिनों में दमोह जिले में पानी की परेशानी ना हो।

बैठक में समस्त ग्रामों में परियोजना अंतर्गत नियुक्त किए गए इंजीनियर और ठेकेदारों को प्रतिदिन गुणवत्ता युक्त जल प्रदान करने की बात कही गई। उन्होंने कहा सभी लोग पूर्ण ईमानदारी और लगन से कार्य करें। जिन ग्रामों में नियमित जल प्रदाय किया जा रहा है, उन ग्रामों से राजस्व एकत्रीकरण किया जाये जिससे जल प्रभार की राशि का भुगतान एवं ग्राम में नियुक्त किए गए ऑपरेटर का वेतन दिया जा सके, उसके लिए ग्राम जल स्वच्छता एवं पदार्थ समिति को प्रेरित किया जाए। मीटिंग में छिंदवाड़ा जिले की मोहखेड़ परियोजना का उदहारण दिया गया जहां शत प्रतिशत जल कर एकत्रीकरण होता है। बैठक में मध्य प्रदेश जल निगम दमोह से महाप्रबंधक गौरव सराफ, प्रबंधक शशांक तिवारी, पी आई यू ,एस क्यू सी एवं टी पी आई ए, सभी टीम लीडर एवं इंजीनियरों की उपस्थिति रहीं।

मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग की ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया:श्रीमती उइके

मंडला/अजीत पटेल। नरेंद्र मोदी सरकार के 2025-26 के बजट को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।युवा अन्नदाता,नारी युवा,किसान, महिला,गरीबों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विकास के उपाय प्रस्तावित किए गए हैं। श्रीमती उइके ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया है।उनके योगदान को मान्यता देते हुए, सरकार ने समय-समय पर उनके कर के बोझ को कम किया है।नई व्यवस्था के अंतर्गत 12 लाख रुपये तक की आय अर्थात पूंजीगत लाभ जैसी विशेष दर आय को छोड़कर प्रति माह 1 लाख रुपये की औसत आय पर कोई आयकर नहीं देना होगा।आगे उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में 12 लाख की आय वाले करदाता को कर में 80,000 रुपये का लाभ मिलेगा। 16 लाख की आय वाले व्यक्ति को कर में 50,000 का लाभ मिलेगा।वही 18 लाख की आय वाले व्यक्ति को कर में 70,000 का लाभ मिलेगा। 20 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को कर में 90,000 रुपये का लाभ मिलेगा। वही 25 लाख रुपये की आय वाले व्यक्ति को 1,10,000 रुपये का लाभ मिलेगा।

केबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि सरकार %प्रधानमंत्री धन-धन्य कृषि योजना% शुरू करेगी। इस योजना के अंतर्गत कम उत्पादकता, मध्यम फसल सघनता और औसत से कम ऋण मानकों वाले 100 जिले शामिल होंगे।इससे 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलेगी।तुअर,उड़द और मसूर जैसे कृषि उत्पाद पर विशेष ध्यान देते हुए दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन शुरू करेगी।इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने बजट में अल्प रोजगार की समस्या का समाधान, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों का ऋण बढाकर 5 से 10 करोड़ करने का प्रावधान, देश के 50 शीर्ष पर्यटन स्थलों का रोजगार आधारित विकास, संसोधित केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री शुरू करना, गम्भीर बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए 36 जीवन रक्षक दवाईयो को सीमा शुल्क से पूर्ण छूट, वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज दरों में छूट,आईईटी एवं आईआईएससी में तकनीकी अनुसंधान के लिए दस हजार फेलोशिप प्रदान करना आदि अनेक जनहितैषी योजनाओं को लागू किया गया।

जिले में उल्लास पूर्वक हुई नव साक्षरों की परीक्षा

छतरपुर। प्रदेश में असाक्षरों को साक्षर बनाकर शत प्रतिशत साक्षरता दर हासिल करने के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।जिसमे पहले प्रत्येक बसाहट में असाक्षरों का सर्वे किया जाता है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

पत्र क्रमांक/रा.शा.वि./न.पा.इ/2024/134 इटारसी दिनांक 28.01.2025

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद इटारसी से न्यास कालोनी प्रियदर्शनीय नगर इटारसी भवन क्रमांक एलआईजी 26 को जो कि श्रीमती सरिता पटोदिया, हेमलता, अनीता, अनीषा इटारसी नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है, श्रीमती करुणा सोनी पति अश्विनी सोनी अपने नाम पर नामांतरण कराना चाहते है। उक्त भवन के नामांतरण होने में किसी को कोई आपत्ति है तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 15 दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है। यदि 15 दिवस के भीतर किसी को कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

एमपी की नई आबकारी नीति वर्ष 2025-26 जारी, घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानें 1 अप्रैल 2025 से होंगी बंद

भोपाल -मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के अनुसार प्रदेश में घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानों को 1 अप्रैल 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, अमरकंटक, सलकनपुर, बरमान कला, लिंगा, बरमान खुर्द, कुंडलपुर, बांदकपुर शामिल है। नई आबकारी नीति के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाइन आउटलेट के लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे एवं उनके संचालन की अनुमति भी नहीं होगी।

नये जिलों में मदिरा दुकानों का संचालन एवं प्रशासन वहां के जिला कलेक्टरों के अधीन किया जाएगा। जनजातीय बंधुओं के हित में वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा का विक्रय किया जा सकेगा। एयरपोर्ट काउंटर पर भी हेरिटेज मदिरा विक्रय की अनुमति रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरापान की अनुमति नहीं होगी।

प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समितिनई आबकारी नीति के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। जिला निष्पादन समिति मदिरा दुकानों का विस्थापन कर जिले में अन्य स्थान पर विस्थापित दुकान खोलने, दुकान का पोटेंशियल क्षेत्र निर्धारित करने, दुकानों का आरक्षित मूल्य निर्धारण करने, मदिरा दुकानों के एकल समूह का गठन या पुनर्गठन करने, शासन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दुकानों का निष्पादन करने संबंधी सभी कार्य करेगी। अपरिहार्य परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मदिरा दुकान बंद करने के लिए आबकारी आयुक्त प्रस्ताव दे सकेंगे। अंतिम निर्णय राज्य शासन स्तर पर होगा।

वर्ष 2024-25 के वार्षिक मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि उपरांत वर्ष 2025-26 के लिए आरक्षित मूल्य का निर्धारण किया गया है। वर्ष 2025-26 में सर्वप्रथम वर्तमान वर्ष 2024-25 के अनुज्ञप्तिधारियों को नवीनीकरण का अवसर प्रदान किया गया है। तदोपरांत लॉटरी आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। नवीनीकरण एवं लॉटरी आवेदन पत्र से जिले के आरक्षित मूल्य के 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के राजस्व की प्राप्ति होने पर जिले को नवीनीकृत किया जावेगा। जरूरत पड़ने पर ई-टेण्डर और ई-टेण्डर कम ऑक्शन की पद्धति से निष्पादन किया जावेगा।

सभी मदिरा दुकानों पर प्वाइंट ऑफ सेल (क्कह्रस्) मशीनें स्थापित की जायेंगी, मशीन के माध्यम से समस्त प्रकार की मदिरा बोतल पर चस्पा एक्साइज एडेहसिव लेबल (ईएएल) को अनिवार्यतः स्कैन कर ही बिलिंग एवं विक्रय किया जा सकेगा। जो व्यक्ति ब्लैक लिस्टेड है वह मदिरा दुकान /समूह के लिए आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे। विदेशी मदिरा भाण्डागार को स्मार्ट वेयरहाउस में बदला जायेगा। विदेशी मदिरा भाण्डागार पर बायोमेट्रिक ई-लॉक का प्रावधान किया गया है।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर एयरपोर्ट के समान अन्य व्यवसायिक उड़ानें संचालित करने वाले एयरपोर्ट पर भी विदेशी मदिरा काउंटर के लिए अनुज्ञप्ति दी जा सकेगी। आगमन एवं प्रस्थान द्वार पर एक-एक काउण्टर खोलने की अनुमति दी जा सकेगी।वर्ष 2025-26 में रेस्तरां बार की एक नवीन श्रेणी ÷लो एल्कोहालिक बीवरेज बार÷ प्रारंभ की जाएगी। इस लायसेंस के अंतर्गत रेस्तरां में सिर्फ बीयर, वाईन एवं ÷रेडी-टू-ड्रिंक÷ श्रेणी की विदेशी मदिरा जिसमें अल्कोहल की अधिकतम सीमा 10 प्रतिशत ङ्क/ङ्क तक ही हो, के सेवन की अनुमति होगी। किसी भी प्रकार के स्पिरिट का सेवन प्रतिबंधित रहेगा।

वर्ष 2025-26 से व्यवसायिक किस्म के आयोजनों हेतु प्रासांगिक अनुज्ञप्ति (एफ.एल.-5) की लायसेंस फीस की पृथक श्रेणी रहेगी। व्यवसायिक किस्म के कार्यक्रमों/आयोजनों जिनमें प्रवेश निर्धारित शुल्क के भुगतान के आधार पर दिया जाता है, उस दौरान मदिरा के उपयोग की अनुमति कार्यक्रम में भाग लेने व्यक्तियों की संख्या के अनुसार लायसेंस फीस रहेगी।

हेरीटेज मदिरा संबंधी नीति एवं व्यवस्था वर्ष 2024-25 के अनुसार यथावत रहेगी। हेरीटेज मदिरा बनाने वाली इकाइयों द्वारा बनाई हेरीटेज मदिरा को राज्य शासन के वैल्यू एडेड टैक्स (ङ्कञ्ज) से मुक्त रखा जाएगा।राज्य शासन द्वारा घोषित अंगूर प्र-संस्करण नीति में प्रदेश में फलोद्यान विस्तार एवं फल प्र-संस्करण को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रदेश में उत्पादित अंगूर एवं जामुन के अतिरिक्त अन्य फलों और प्रदेश में उत्पादित एवं संग्रहित शहद से बनी वाईन का निर्माण किया जा सकेगा।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण का आदेश जारी

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के तहत रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) शीलेन्द्र सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण का आदेश जारी किया है। यह पुनरीक्षण पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 14 के अनुसार किया जाएगा, जिसमें 1 जनवरी 2025 की संदर्भ तिथि को आधार मानकर मतदाता सूची तैयार की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार तहसील बैरागढ़, जिला भोपाल म.प्र. (ASHOK SINGH)

सार्वजनिक नोटिस

प्रकरण क्रमांक 2366/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जहीर खान पिता श्री अब्दुल रज्जाक पता सिंगारचोली ग्राम 030 नेवरी खसरा क्रमांक 82/2/1/1 रकबा 0.7490 क्षेत्रफल वर्ग मीटर निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेखित अनुसार भू अभिलेखों मे नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 18.02. 2025 को स्थान बैरागढ़ में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रुप से अनुदेश दिये गये हो, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

दिनांक
स्थान -बैरागढ़

तहसीलदार
तहसील बैरागढ़

Government of Madhya Pradesh
Urban Development & Environment Department

Office of the Chief Municipal Officer, Nagar Palika Parishad SHAHDOL Distt. SHAHDOL (M.P.)
N.I.T. No./ NPshahdol/e-tendering/ 537 Dated: 14/2/25

Notice Inviting e-Tenders First Call

Online ITEM RATE bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S.No. / Pkg. / Code	Name of Work	District	Portable Amount (Rs. In Rupies)	EMD (in Rupees)	Cost of Document (in Rupees)	Category of Contractor	Period of Completion (in Month)
2025_ UAD_ 402943_1	Inviting the rates of maintainance for different types of street light fittings like sodium, MH, T-5, energy savers luminaires for financial year 2025-26 in municipal council SHAHDOL	SHAHDOL	2500000/-	18750/-	5000/-	ELECTRICAL REGIESTERED SUPPLIER	financial year 2025-26

1. Interested bidders can view the detailed NIT & Other document on website https://mptenders.gov.in/nicgep/app (Department Name: "Urban Development Department").
2. The Bid Document can be purchased only online from (time) 15/02/2025 (date) 10.30AM TO 17/03/2025, 17:30 PM
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Chief Municipal Officer
Municipal council Shahdol
District-Shahdol (M.P.)

इंडियावुड 2025: इंडियावुड लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में नवाचार को प्रेरित करने के 25 साल

रीवा। उद्योग में उन्नति और विकास के एक चौथाई शतक को चिह्नित करते हुए, इंडियावुड 2025, वुडवर्किंग और फर्नीचर निर्माण के लिए प्रमुख व्यापार मेला, 6-9 मार्च 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट और सेंटर ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया जाएगा। NuernbergMesse के वैश्विक लकड़ी कार्य पोर्टफोलियो का हिस्सा, यह मील का पत्थर संस्करण भारत की निर्माण शक्ति के रूप में उभरने और फर्नीचर और लकड़ी कार्य उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है। इंडियावुड की 25 साल की धरोहर- स्थानीय प्रदर्शन से वैश्विक प्रभाव तक अपनी स्थापना से, इंडियावुड ने उद्योग के विकास को आकार दिया है, एक ही मंच पर निर्माता, आपूर्तिकर्ता, प्रौद्योगिकी नेता और पेशेवरों को एकत्र किया है। पिछले ढाई दशकों में, इसने प्रौद्योगिकी में प्रगति, सतत प्रथाओं, और वैश्विक सहयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, जब भारत वैश्विक फर्नीचर उत्पादकों में शीर्ष पांच देशों में स्थान रखता है और अपने फर्नीचर निर्यात को हर साल 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए तैयार है, इंडियावुड उद्योग की प्रगति के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में जारी है। 2025 में 25.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया भारतीय फर्नीचर बाजार 2030 तक 37.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लकड़ी फर्नीचर उत्पादन का 62 प्रतिशत हिस्सा बनाती है, और यह उद्योग नवाचार और स्थिरता द्वारा प्रेरित परिवर्तन से गुजर रहा है - इसका अधिकांश हिस्सा इंडियावुड में मिलने वाले अवसरों द्वारा प्रेरित है। इस अवसर पर, यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं की महासंघ) के अध्यक्ष फ्रेडरिक मेयर ने कार्यक्रम और भारत के लकड़ी कार्य और फर्नीचर उद्योग की निरंतर वृद्धि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की। भारत तेजी से लकड़ी के काम और फर्नीचर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, जिसे मजबूत घरेलू मांग और कारीगरी की दीर्घकालिक परंपरा द्वारा बढ़ावा मिल रहा है, मेयर ने कहा।

अनएकेडमी: जेईई मेन 2025 सेशन 1 के नतीजों ने फिर रचा इतिहास

भोपाल। अनएकेडमी, भारत का प्रमुख एडटेक प्लेटफॉर्म, ने जेईई मेन सेशन-1 2025 के नतीजों के साथ एक बार फिर नए कीर्तिमान स्थापित किया हैं। अनएकेडमी के 920+ छात्रों ने 99 परसेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, जो इसकी ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा को जोड़ने वाले हाइब्रिड लर्निंग मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। अनएकेडमी के सह-संस्थापक सुमित जैन ने इन शानदार परिणामों पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हमारे छात्रों ने एक बार फिर अपनी क्षमता और दृढ़ संकल्प को साबित किया है। ये परिणाम हमारे शिक्षकों की प्रतिबद्धता, हमारी अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता और हमारे हाइब्रिड लर्निंग मॉडल के प्रभाव को दर्शाते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यह सिर्फ शुरुआत है और हमारे छात्र जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नए रिकॉर्ड बनाते रहेंगे।

शीर्ष स्कोररों में, सौरव ने 100 परसेंटाइल हासिल किया, उनके बाद उज्ज्वल केसरी (99.999प्रतिशत), समुद्र सरकार (99.992प्रतिशत), सृजन अग्रवाल (99.98प्रतिशत), यश कुमार (99.98प्रतिशत) और कई अन्य प्रतिभाशाली छात्रों ने अपनी मेहनत और लगन का प्रदर्शन किया। उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, अनएकेडमी लगातार अपने विस्तार को जारी रखते हुए अब भारत के 50 से अधिक शहरों में 75 से अधिक केंद्रों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। यह प्लेटफॉर्म छात्रों को उत्कृष्ट संसाधनों, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और व्यापक शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ बना हुआ है, जिससे वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में शीर्ष रैंक प्राप्त करने के अपने सपने को साकार कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो में मंदिर प्रौद्योगिकी भागीदार के रूपमें हुआ शामिल

मुंबई, एजेंसी। एक ऐतिहासिक सहयोग के तहत, श्री मंदिर, भारत के प्रमुख भक्ति तकनीक मंच को अंतर्राष्ट्रीय मंदिर सम्मेलन और एक्सपो (आईटीसीएक्स) 2025 का आधिकारिक मंदिर प्रौद्योगिकी भागीदार घोषित किया गया है। यह विश्व का सबसे बड़ा आयोजन है, जो मंदिर प्रशासन और प्रबंधन को समर्पित है। आईटीसीएक्स 2025 का आयोजन टेम्पल कनेक्ट द्वारा अंत्योदय प्रतिष्ठान के सहयोग से किया जा रहा है और यह 17 से 19 फरवरी तक तिरुपति के आशा कन्वेंशन्स में आयोजित होगा। इस भव्य आयोजन में 58 देशों की 1581 से अधिक धार्मिक संस्थाएं हाइब्रिड रूप में भाग लेंगी। 'मंदिरों के महाकुंभ' के रूप में प्रसिद्ध इस सम्मेलन में 111 से अधिक वक्ता, 15 से अधिक कार्यशालाएं और ज्ञान सत्र, तथा 60 से अधिक स्टॉल शामिल होंगे। यह आयोजन डिजिटल परिवर्तन, स्थिरता और आधुनिक मंदिर प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहेगा। मंदिर अर्थव्यवस्था, जिसकी अनुमानित मूल्य 6 लाख करोड़ से अधिक है, भारत में आध्यात्मिक पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण आधार है। आईटीसीएक्स 2025 इस क्षेत्र को सशक्त बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा, जिससे मंदिर प्रबंधन, नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों के बीच वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मंदिर संचालन को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि बढ़ती आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

अक्टूबर में आएगी पहली 'मेड इन इंडिया' चिप, दुनिया को मिलेगा तकनीकी शक्ति का नया तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय बजट 2025 की घोषणाओं को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर की पहली चिप सितंबर या अक्टूबर तक मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए धोलेरा में स्थित प्लांट में तेजी से काम जारी है। भारत जल्द ही अपनी पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। द्बञ्ज मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि सितंबर या अक्टूबर 2025 तक 'मेड इन इंडिया' चिप तैयार हो जाएगी। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि गुजरात के धोलेरा में स्थित देश के पहले सेमीकंडक्टर फैब प्लांट के तहत संभव हो रही है, जिसे टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन के सहयोग से विकसित किया जा रहा है।

समय से पहले तैयार होगी चिप

आईटी मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा के दौरान बताया कि यह चिप पहले की अपेक्षा एक साल पहले ही उपलब्ध हो जाएगी। मार्च 2024 में जब इस परियोजना की शुरुआत हुई थी। तब अनुमान था कि 2026 के अंत तक इसका उत्पादन शुरू होगा। लेकिन अब, तेज़ी से हो रहे काम को देखते हुए, इस चिप के 2025 में ही बाजार में आने की उम्मीद है।

91,000 करोड़ का निवेश और रोजगार के अवसर

टाटा ग्रुप ने इस परियोजना में 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है और धोलेरा में 160 एकड़ जमीन को सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आरक्षित किया है। इस परियोजना को केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से लगभग 70त्न सब्सिडी दी जा रही है, जिससे इसे भारत का प्रमुख सेमीकंडक्टर हब बनाने की योजना है। इसके साथ ही, इस परियोजना से लगभग 20,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर भी सृजित होंगे।

सरकार सेमीकंडक्टर तकनीक में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु को 334 करोड़ रुपये प्रदान कर रही है। यह धनराशि गैलियम नाइट्राइड आधारित सेमीकंडक्टर तकनीक के अनुसंधान के लिए दी जा रही है, जिसका उपयोग दूरसंचार और ऊर्जा क्षेत्र में होता है। IISc ने देश का पहला ई-मोड GaN पावर ट्रांजिस्टर विकसित किया है, जो वैश्विक स्तर पर बेहतरीन तकनीकों में से एक माना जा रहा है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की तैयारी

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हाल ही में 13,162 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, और कई अन्य निवेश भी जल्द आने वाले हैं। सरकार वर्तमान में 234 विश्वविद्यालयों को नवीनतम सेमीकंडक्टर डिजाइन उपकरण प्रदान कर रही है। आईटी मंत्रालय भारत सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 को पूरा करने के लिए उद्योग के साथ मिलकर काम कर रहा है। मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैब के आधुनिकीकरण के बाद सरकार ISM 2.0 की योजना को अंतिम रूप देगी, जिसके लिए बजटीय आवंटन की घोषणा जल्द की जाएगी।

पैसालो डिजिटल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। पैसालो डिजिटल लिमिटेड , एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, ने 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए शानदार आय की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.31 प्रतिशत बढ़कर 47,488 मिलियन रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 20254 की तीसरी तिमाही में 42,280 मिलियन रुपये था। कंपनी ने अपने पहले विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड जारी करने में सफलता हासिल की, जिसकी राशि 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 4,230 मिलियन रुपये) है। इस तिमाही में कंपनी ने अपने फ्रैंचाइज़ी में रिकॉर्ड 1.41 मिलियन नए ग्राहक जोड़े। पहले 9 महीनों में कंपनी ने अपने ग्राहक फ्रैंचाइज़ी में 4.46 मिलियन ग्राहक जोड़े हैं। कंपनी ने अपने मार्जिन प्रोफाइल को बनाए रखा है, वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में ब्याज आय 25 प्रतिशत बढ़कर 5,773 मिलियन रुपये हो गई, जो क्यू3 एफवाय 20 वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही 24 में 4,635 मिलियन रुपये थी। कंपनी ने प्रॉफ़िट बीफॉर टैक्स में 7.13 प्रतिशत और प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में 8.06 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, कंपनी ने बताया कि इसके प्रमोटर समूह ने बाजार लेनदेन के माध्यम से शेयर अधिग्रहित किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की थी, जिसमें उसने प्रमुख बैंकिंग भागीदारों, जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया , के साथ मजबूत व्यापार संवाददाता नेटवर्क के माध्यम से दो वर्षों में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन शुरू करके 59 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि पैसालो की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो प्रौद्योगिकी और प्रमुख वित्तीय संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी के माध्यम से भारत के अंडर-बैंक्ड आबादी को सहज बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रही है। पैसालो डिजिटल का मजबूत व्यापार संवाददाता मॉडल इन उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे कंपनी को अविकसित क्षेत्रों में गहरी पहुंच बनाने में मदद मिली है। उन्नत प्रौद्योगिकी, सहज संचालन और ग्राहक-केंद्रित समाधानों का लाभ उठाकर, पैसालो डिजिटल ने अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाया है।

6 आईएएस अधिकारियों की नई पदस्थापना

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हाल ही में राज्य में 6 आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेश जारी किए है। इन अधिकारियों के नाम और उनकी पदस्थापना इस प्रकार है; ए श्रीनिवास (आईएएस 2004) , आयुक्त, हिसार डिवीजन, हिसार और एमडी, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड को स्थानांतरित कर सचिव, ऊर्जा विभाग नियुक्त किया गया है; आयुक्त, हिसार मंडल, हिसार और एमडी, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड। विनय प्रताप सिंह (आईएएस 2011), निदेशक, मानव संसाधन; प्रशासक, व्यापार मेला प्राधिकरण हरियाणा, नई दिल्ली तथा आबकारी एवं कराधान आयुक्त एवं विशेष सचिव, आबकारी एवं कराधान विभाग को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव का कार्यभार भी सौंपा गया है।

हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक; अंबाला के जिला नगर आयुक्त एवं नगर निगम, अंबाला के आयुक्त सचिन गुप्ता (आईएएस 2018) को हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक के कार्यभार से मुक्त किया गया है।

भिवानी की अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी और जिला नगर आयुक्त, भिवानी, सलोनी शर्मा आईएएस 2019) को झज्जर का अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी और झज्जर का जिला नगर आयुक्त लगाया गया है। विश्वजीत चौधरी (आईएएस2021) , अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, चरखी दादरी और जिला नगर आयुक्त, चरखी दादरी को सीईओ, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड, गुरुग्राम और अतिरिक्त सीईओ, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण, गुरुग्राम लगाया गया है। नियुक्ति आदेशों की प्रतीक्षा कर रहे उत्सव आनंद (आईएएस 2022) को उपमंडल अधिकारी (नागरिक), सांपला लगाया गया है।

11 आईएएस अधिकारियों का प्रभार 10 आईएएस और 3 आरएएस अधिकारियों को

नई दिल्ली। राजस्थान में ग्यारह आईएएस अधिकारियों के पदों का प्रभार 10 आईएएस और 3 आरएएस अधिकारियों को सौंपा गया हैं ।राज्य सरकार द्वारा इन ग्यारह द्बस्न अधिकारी 17 फरवरी से 28 मार्च तक मसूरी आइएएस इंस्टिट्यूट में प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है। इनमें कई अधिकारियों के पास पहले ही अतिरिक्त प्रभार है।

प्रशिक्षण के लिए मसूरी भेजें जा रहें इन अधिकारियों के पदों का प्रभार 10 आइएएस और 3 आरएएस अधिकारियों को सौंपा है। विभागीय जांच आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल का प्रभार डॉ. घनश्याम को, राजस्थान लोकसभा आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक का प्रभार रामनिवास मेहता और राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के सचिव का प्रभार नथमल डिडेल का सौंपा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग निदेशक एवं पदेन संयुक्त सचिव का प्रभार हरिमोहन मीना को सौंपा है। बाल अधिकार आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार जगजीत सिंह मोगा को सौंपा है।

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के कार्यकारी निदेशक का प्रभार सौरभ स्वामी को दिया है। इंडस्ट्रीज कॉमर्स एंड सीएसआर के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार शिवांगी स्वर्णकार को सौंपा है। कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलसचिव का प्रभार आइएएस नगिक्या गोहेन का सौंपा है। प्राथमिक शिक्षा निदेशक का प्रभार माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी को सौंपा है। वित्त विभाग के संयुक्त सचिव (व्यय प्रथम) का प्रभार आइएएस खुशाल यादव को दिया है।

अपने मूल स्वरूप में लौटा सदर मंजिल

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के अतिथियों के लिए किए विशेष इंतज़ाम

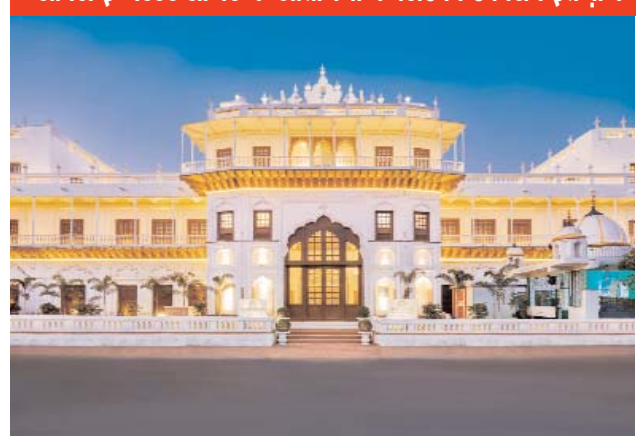

भोपाल। राजधानी भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लिए भोपाल की ऐतिहासिक इमारत सदर मंजिल को भी अपने मूल स्वरूप में सजाया गया है। यहां अतिथियों के लिए 22 कमरे निर्मित किए गए गए हैं। जिन्हें हेरिटेज के रूप में तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों से सजी ग्लोबल इंवेस्टर समिट को यादगार बनाने के सतत प्रयास में शहर भोपाल लगा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इन खास पलों को लंबे समय तक स्मरणीय बनाए रखने के अतिरिक्त प्रयास किए हैं। इसी धारणा के साथ देश दुनिया से आने वाले मेहमानों को कुछ खास ट्रीटमेंट देने की तैयारी की गई है। इन अतिथियों को नवाब शासन काल के सपनों का महल सदर मंजिल में नवाबी शान ओ शौकत के साथ ठहराया जाएगा।

शहर के नवाबी दौर की झलक दिखेगी

* ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की साक्षी बनेगी राजधानी की 126 साल पुरानी विरासत सदर मंजिल
* सात साल की मेहनत से सदर मंजिल नए रूप में तैयार हुई है।
* मेहमानों को मिलेगा नवाबी दौर की शान-ओ-शौकत से रूबरू होने का मौका
* हेरिटेज होटल में कुल 22 कमरे, जिनमें से अधिकांश की बुकिंग हो चुकी है।
* रेनोवेशन के बाद पहली बार इसमें मेहमान रात बिताएंगे। त्नढ्ढस् के बाद यह होटल आम लोगों के लिए भी खोल दिया जाएगा
* ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव या किसी मंत्री से कराया जा सकता है इसका उद्घाटन
* सदर मंजिल को शामिल किया गया है 5 स्टार होटल की कैटेगरी में
* नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन मिनेश शाह, नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी, ओमेगा पावर के एमडी हरि प्रकाश समेत सुमित अग्रवाल, कुमार वेंकटसुब्रह्मण, केतल मेहता, राहुल संघवी, लवनीश छानना, सतीश संडी, प्रणव शर्मा, विनोद भंडारी, राहुल अवस्थी, हरीश गुप्ता, विपुल यादव, आलोक बिड़ला, साबिर खान, अतुल वैद्य और राकेश मेरखेड़कर ठहरेंगे सदर मंजिल में
* एमपी टूरिज्म की यूनिट अमलताश के बाद प्रदेश का दूसरा आलीशान होटल है, जिसका टॉप टू बॉटम संचालन महिलाएं करेंगी।

आज से फास्टैग का नया नियम, देरी पर अतिरिक्त जुर्माना

नई दिल्ल। फास्टैग का नया नियम सोमवार से लागू होने जा रहा है। इसके तहत कम बैलेंस, भुगतान में देरी या फास्टैग ब्लैकलिस्ट होने पर अतिरिक्त जुर्माना लगेगा। इसका मकसद फास्टैग में दिक्कत के कारण टोल पर वाहनों की लंबी कतारों को कम करना है। सरकार की ओर से जारी नए नियमों के तहत अगर गाड़ी के टोल पार करने से पहले फास्टैग 60 मिनट से अधिक समय तक और टोल पार करने के 10 मिनट बाद तक निष्क्रिय रहता है, तो लेनदेन अस्वीकार कर दिया जाएगा। ऐसे पेमेंट एरर कोड 176 लिखकर रिजेक्ट हो जाएंगे।

पहले रिचार्ज करें फास्टैग: अगर वाहन के टोल रीडर से गुजरने के बाद टोल लेन-देन 15 मिनट से अधिक समय में किया जाता है, तो यूजर्स पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा। पहले यूजर्स टोलबूथ पर ही फास्टैग रिचार्ज करके आगे जा सकते थे। अब फास्टैग पहले रिचार्ज करना होगा।

फास्टैग वैलिडेशन में हुए बड़े बदलाव: NPCI के 28 जनवरी के सर्कुलर के अनुसार, अब फास्टैग ट्रांजेक्शन्स को तय समय सीमा में पूरा करना अनिवार्य होगा। दो अहम शर्तें जोड़ी गई हैं।

टोल स्कैन से 60 मिनट पहले: अगर फास्टैग को ब्लैकलिस्ट, हॉटलिस्ट या कम बैलेंस की स्थिति में एक घंटे से अधिक समय हो गया है, तो ट्रांजेक्शन को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

टोल स्कैन के 10 मिनट बाद: अगर फास्टैग स्कैन होने के बाद 10 मिनट तक इनएक्टिव या ब्लैकलिस्टेड रहता है, तो ट्रांजेक्शन फिर से अस्वीकार कर दिया जाएगा। अगर ये दोनों शर्तें पूरी होती हैं, तो सिस्टम एरर कोड 176 के साथ ट्रांजेक्शन को अस्वीकार कर देगा और यूजर को टोल शुल्क का दोगुना जुर्माना देना पड़ेगा।

फास्टैग यूजर्स पर असर: फास्टैग खातों को दो श्रेणियों में बांटा गया है- व्हाइटलिस्टेड (सक्रिय) और ब्लैकलिस्टेड (निष्क्रिय)। फास्टैग ब्लैकलिस्ट होने के कुछ मुख्य कारण हैं अपर्याप्त बैलेंस पेंडिंग KYC वेरिफिकेशन वाहन रजिस्ट्रेशन में गड़बड़ी नए नियमों के तहत, अगर आपका फास्टैग टोल बूथ पर पहुंचने से 60 मिनट पहले ब्लैकलिस्ट हो चुका है, तो आप अंतिम समय में रिचार्ज करके इससे बच नहीं सकते। हालांकि, अगर टोल स्कैन के 10 मिनट के भीतर रिचार्ज कर लिया जाता है, तो केवल सामान्य टोल शुल्क देना होगा और दोगुना जुर्माने से बचा जा सकता है।

नए नियमों का मकसद और असर: विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव टोल प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा और टोल प्लाजा पर होने वाले विवादों को कम करेगा। एक कानूनी विशेषज्ञ ने कहा, यह प्रणाली ट्रांजेक्शन फेल होने की घटनाओं को घटाएगी, टोल अनुभव को बेहतर बनाएगी और यूजर्स को अपने अकाउंट मैनेजमेंट पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करेगी।

सर्व सुविधा युक्त रेरा अप्रुव्ड कॉलोनी की ग्रांड ओपनिंग हुई, विधायक ने रिबिन काट कर किया शुभारंभ

आष्टा। शहर के कारोबारी नौशे खान ने आष्टा वासियों को इंदौर भोपाल की तर्ज पर सर्व सुविधा युक्त ञ्ज×ष्टक्करेरा अप्रूव्ड कॉलोनी की सौगात दी है। और आज इस सर्व सुविधा युक्त T&CP, रेरा अप्रूव्ड गैलेक्सी रेसिडेंसी कॉलोनी की ग्रांड ओपनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया! जिसमें स्थानीय बीजेपी विधायक गोपाल इंजिनियर और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधी राय सिंह मेवाडा, जनपद पंचायत अध्यक्ष दीक्षा गुणवान और गैलेक्सी रेसिडेंसी के ऑनर नौशे खान की मौजूदगी में रिबीन काटकर कॉलोनी का शुभारंभ किया गया । इस दौरान गैलेक्सी रेसिडेंसी के ऑनर नौशे खान और मैनेजर शेख महफूज ने सर्व प्रथम अतिथियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया वही इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई।

वही इस मौके पर स्थानीय विधायक गोपाल इंजिनियर ने गैलक्सी रेसिडेंसी के ऑनर नौशे खान को आष्टा को शासन के सभी मापदंडों के अनुरूप T&CP, रेरा अप्रूव्ड कॉलोनी की सौगात देने पर बधाई और शुभकामनाए देते हुए कहा कि शहर के लिए बड़ी बात है कि बड़े बड़े शहरों इंदौर भोपाल की तर्ज पर सभी सुविधाओं से संपन्न कॉलोनी का निर्माण किया गया है जिसमें नागरिको अब आशियाने बनाने का सपना पूरा होगा! वही विधायक गोपाल इंजिनियर ने कहा कि जल्द ही शहर की सभी अवैध कॉलोनीयो को भी वैध करने का प्रयास किया जाएगा।

अंत में आभार व्यक्त करते हुए गैलेक्सी रेसिडेंसी के ऑनर नौशे खान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के जरिए हमारा प्रयास की शहर के नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी न हो और उन्हें मूलभूत सुविधाए उपलब्ध हो सके।

जागृति संकीर्तन मंडल द्वारा परमहंस 1008 श्री छोटे दादा जी की बरसी आज

छिंदवाड़ा। जागृति संकीर्तन मंडल पूर्वी बुधवारी के द्वारा दिनांक 17.02.2025 आज दिन सोमवार को दादा जी धूनीवाले प्रांगण मुख्य पोस्ट ऑफिस अनगढ़ हनुमान मंदिर में बड़े ही धूमधाम से मनायी जायेगी। अध्यक्ष भारत डोले ने बताााय कि प्रातः 10 बजे मुहुंत में दादा जी की मनमोहक झांकी को मंत्रोप्चार के साथ दादा जी धूनीवाले का महाभिषेक किया जावेगा, दरबार के महंत नागेन्द्र ब्रम्हचारी महाराज के कर कमलों से शुभारंभ होगा, दिन भर धूनी वाले दादा जी नाम का जाप भजलो दादादी का नाम, भजलो हरिहर जी का नाम चलेगा । शाम 5.00 बजे से विशाल भजन संध्या का रसवास्वादन भक्तजनों की उपस्थिति में रात्रि 8.00 बजे तक किया जावेगा। श्री धूनीवाले दादा जी महाआरती के उपरांत धूनी को योग समर्पित करने के पश्चात् महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा। अध्यक्ष भारत डोले, सचिव इनोद कांबले, कोषाध्यक्ष सुरेश मालवी, गुन्टू इंगले ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु शहर के भक्तों एवं माताओं, बहनों को आमंत्रित कर दादाजी की प्रार्थना एवं विनती अरदास कर पुण्य लाभ लेने की अपील की।

वार्ड वासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष का किया सम्मान

अमरवाड़ा। नगरपालिका अमरवाड़ा के वार्ड-05 अयोध्या बस्ती में सड़क निर्माण पूर्ण कराने, सिंहवाहिनी मंदिर सौंदर्यीकरण कराने एवम् मुर्गिटोला में सीसी रोड स्वीकृत कराने पर सिंहवाहिनी महिला मंडल की अध्यक्ष गीता बरकड़े एवम् सदस्यों द्वारा नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी का स्वागत किया गया । इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा शीघ्र ही सिंहवाहिनी मंदिर चौक पर हाइमास्क लाइट लगाने की घोषणा की। नगरपालिका अध्यक्ष एवम् वार्ड पार्षद/सभापति राजकुमार बरकड़े द्वारा वार्डवासियो और महिला मण्डल से चर्चा कर उनकी सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया ।

20 फरवरी से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण

शिव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 26 को

छिंदवाड़ा। शिव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन 20 फरवरी से किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा की विश्रांति 26 फरवरी को होगी। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 26 फरवरी को होगा। इधर 20 फरवरी को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा से होगा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा होगी। कथावाचक पं.दीपक मिश्रा जी कथा कराएंगे। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य पं. शांतनु मिश्रा जी द्वारा कराया जाएगा।

इस्लाहे तर्बियत प्रोग्राम का हुआ समापन

छिंदवाड़ा । महाराजा लॉन में माहे रमजान मुबारक के मौके पर इस्लाह तर्बियत द्वारा प्रोग्राम रखा गया था जिसमें नागपुर से राउफ साहब, फारूक साहब ,ग्वालियर से अनवर साहब ,एवं नागपुर के जज साहब तशरीफ़ लाए जिन्होंने तार्बीयत को लेकर एजुकेशन 12 वीं के बाद आगे कैसे बच्चों को एजुकेशन में मदद की जाए इसकी बातें राखी स्कॉलरशिप पैरा मेडिकल एमबीबीएस इस के लिए बच्चों को मदद कैसे मिले यह तमाम बातें रखी गई इसमें बड़ी तादाद में लोगों ने शिरकत फरमाया प्रोग्राम में जन हिताय समिति के संचालक एवं इब्ने हसन रिजवी, जैद अली, सद्दाम खान, सज्जू भाई, जिया भाई ,इसराइल भाई ,नफीस भाई तमाम लोगों ने शिरकत फरमाए यह जानकारी राशिद खान ने दी है संस्था द्वारा सभी सम्मानीय लोगों को तहे दिल से धन्यवाद दिया ।

शिवाजी चौक पर फहराया भगवा ध्वज

छिंदवाड़ा। जिला क्षत्रिय मराठा समाज ने शिवाजी महाराज की जयंती 19 फरवरी की तैयारी पूरी कर ली है। इसी क्रम में शिवाजी जयंती के पूर्व प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छत्रपति शिवाजी चौक पर भव्य भगवा ध्वज फहराया गया। समाज के अध्यक्ष प्रवीण काटकर ने बताया कि समाज की ओर से परम्परा अनुसार भारतीय संस्कृति के प्रतीक और हिंदुओं का पवित्र रंग भगवा ध्वज छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष फहराया गया है। 19 फरवरी को सुबह 8.30 शिवाजी महाराज की जयंती पर प्रतिमा का अभिषेक एवं पूजन किया जाएगा।

रमेश दुबे की प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री से सौजन्य भेंट

छिंदवाड़ा। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे ने पूर्व जिला महामंत्री उत्तम ठाकुर के साथ भोपाल प्रवास के

दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा जी से सौजन्य भेंटकर विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की । इस दौरान दीपक दुबे उपस्थित रहे ।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमरवाड़ा। मरकावाड़ा में अज्ञात कारण की वजह से युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या जानकारी के अनुसार घटना अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम मरकावाडा का रहने वाला महेश मालवीय ने शुक्रवार शनिवार की दरमियानी देर रात्रि को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली उसे समय घर में कोई नहीं था घर के सभी शादी में गए हुए थे शनिवार को 1ः00 बजे मृतक के शव को अमरवाड़ा हॉस्पिटल पीएम के लिए लाया गया और पुलिस मर्ग कायम किया आगे मामले की जांच की जा रही है

निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से 4 लोग घायल

माचागोरा डेम में मिला युवक का शव..

छिंदवाड़ा। शहर के सिवनी प्राण मोती क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से 4 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब नए मकान का टावर निर्माण कार्य चल रहा था। दीवार गिरने से एक मिस्त्री और 3 महिला मजदूर मलबे में दब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को मलबे से बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, तीनों घायलों की हालत खतरे से बाहर है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और निर्माण कार्य में किसी लापरवाही की जांच की जा रही है।जानकारी के अनुसार, दीपक उईके के मकान का काम चल रहा था। इस दौरान छत पर बन रहे टॉवर की दीवार गिर गई। दीवार गिरने से मिस्त्री समेत 4 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 3 की हालत सामान्य बताई जा रही है। घायलों में रोशनी डेहरिया (40 वर्ष), महेश (48 वर्ष), उर्मिला (42 वर्ष) और जय कुमारी (24 वर्ष) शामिल हैं।

नशे में था युवक, पुलिस जांच में जुटी

छिंदवाड़ा। रविवार दोपहर माचागोरा डेम में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चौरई निवासी अंकुर सोनी (38) के रूप में हुई है। वह शनिवार रात से लापता थे, जिसके बाद परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन

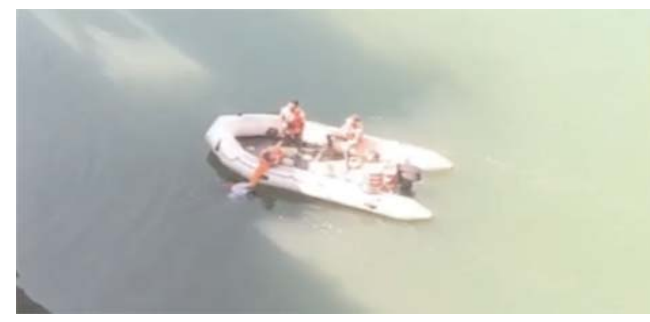

कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने डेम में तैरता हुआ शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान अंकुर सोनी के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। सूत्रों के अनुसार, मृतक शराब का आदी था और कुछ समय पहले परिजनों ने उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती भी कराया था। हालांकि, उनकी मौत के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और आगे की जांच जारी है।

जनरल बोगियो के सामने यात्रियों को बैठाने रेल्वे पुलिस की तैनाती हो

सचिन चौरसिया

15 फरवरी की रात को दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर कुंभ नहाने प्रयागराज जाने वाली भीड में भगदड़ मचने से 15 से अधिक लोगों की जान चली गई, इस मौत की जिम्मेदारी व जबावदेही तय नहीं हुई कि इस हादसे का जिम्मेदार कौन है? जबकि इसका जिम्मेदार रेल्वे का सिस्टम है आम तौर पर ट्रेन में अधिकतम 2 से 4 बोगी जनरल होती है रेल्वे ने इसमें सीटों की संख्या तय नहीं कर रखी है कि कितने यात्री अधिकतम बैठेंगे यही स्टेशन में भीड का दबाव का कारण बनता है वहीं एसी कोच में अधिकतम 46-154 सीटे होती है और स्लीपर कोच में अधिकतम 80 सीटें होती है, ज्यादातर जनरल टिकिट कटवाकर गरीब व्यक्ति ही सफर करता है और वह सीट पकड़नें के लिए ट्रेन आने पर तुरंत दौड़ता है जो हादसे का मुख्य कारण बनता है, रेल्वे को चाहिए कि जनरल टिकिट की संख्या तय हो और वहीं जिस रेल्वे स्टेशन पर जो ट्रेन आना तय होता है उसे एकदम से न बदला जावें क्योंकि यात्रियों के साथ लगेज भी होता है और लंबे लंबे प्लेटफार्म में आने आने में वक्त लगता है. जनरल बोगियों के सामने रेल्वे पुलिस के गार्ड तैनात करने चाहिए जिससे ट्रेन में यात्रियों के दबाव को संभाला जा सकें और वो एक-एक कर ट्रेन में यात्रियों को जाने दे. रेल्वे को अपने सिस्टम में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की मदद से भीड को काबू करने का सिस्टम बनाना चाहिए जिससे आगे ऐसे हादसे न हो।

स्व सहायता समूह के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड छिंदवाड़ा के ग्राम राजाखो में समूह द्वारा बनाई जा रही महुआ एवं मिलेट्स की बिस्कुट बेकरी यूनिट में स्व सहायता समूह के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का गत दिवस समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य रूप से केनरा बैंक के सहयोग से कराया गया। प्रशिक्षण में विकासखंड छिंदवाड़ा आजीविका मिशन के समूह की 50 दीदीयों ने दो दिन तक महुआ बिस्किट, मिलेट्स बिस्किट, नान खटाई महुआ लड्डू, केक, आइसक्रीम बनाने का प्रशिक्षण लिया एवं स्वयं अपने हाथ से बनाकर भी देखा। प्रशिक्षण के समापन में केनरा बैंक भोपाल से आये एजीएम पी.रमेश, आरएम सुश्री रवीना मिश्रा, ब्रांच मैनेजर छिंदवाड़ा अरविंद पवार, आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक नरेश कोरी, जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त श्रीमती रेखा अहिरवार, विकासखंड प्रबंधक निर्मल कटरे व कपिल पटवा उपस्थित थे। कार्यक्रम में केनरा बैंक भोपाल से आए हुए अधिकारियों द्वारा स्व सहायता समूह को बेकरी प्रोडक्ट बनाने के लिये आवश्यक मशीनरी और इंस्ट्रूमेंट का वितरण किया गया, जिससे समूह की महिला आत्मनिर्भर बने एवं उनकी आय में वृद्धि हो। बैंक के अधिकारियों द्वारा ग्रामीण अंचल की महिलाओं के द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की गई एवं कहां गया कि अगर समूह की महिलाओं को बैंक से किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता की आवश्यकता हो तो वह बैंक से कम ब्याज पर सीसीएल एवं मुद्रा लोन लेकर अपने रोजगार को बढ़ावा दें।

श्री पातालेश्वर धाम महाशिवरात्रि में 23वां फलाहारी भंडारा लगेगा

छिंदवाड़ा। शिव शक्ति सेवा मंडल (रजि) छिंदवाड़ा के द्वारा महाशिवरात्रि पर्व में श्री पातालेश्वर धाम में 23 वा फलाहारी भंडारा लगाया जायेगा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है मंडल सेवादार कृष्णा सेठिया,राकेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की अग्रणी प्राचीन संस्था मानव सेवा में समर्पित शिव शक्ति सेवा मंडल के द्वारा आगामी 26 फरवरी को नागा साधुओं की तपोस्थली श्री पातालेश्वर धाम छिंदवाड़ा में मंडल के द्वारा 23 वा विशाल फलाहारी भंडारा लगाने के लिए मंडल सेवादारों के द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है यह भंडारा छिंदवाड़ा ही नहीं वरन प्रदेश का सबसे बड़ा फलाहारी भंडारा है जो प्रातः 5 बजे से अनवरत बगैर रुके चलेगा जिसमें लगभग डेढ़ लाख श्रद्धालुओं के लिए तरह तरह के फलाहारी व्यंजन परोसे जाएंगे प्रतिवर्ष जनसहयोग एवं अमरनाथ यात्रियों के सहयोग से यह भंडारा कार्यक्रम रखा जाता है मंडल सेवादार श्री सुधाकर राव जी सावले ,डॉ गोपाल जायसवाल, संतोष गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता,नरेश चौरसिया,धर्मेंद्र गुप्ता, दत्तात्रेय बक्षी,आनंद चौरसिया, मनोज चौरसिया, प्रवीण बक्षी,घनश्याम राजपूत,हीरालाल साहू, निलेश साहू,राहुल गुप्ता, अमन अंबादकर,आदित्य पाठक, हिमांशु गुप्ता, कुंदन मिगलानी ,चैतन्य सोनी,मनोज सुनेजा,अभिषेक चौरसिया, बंटी सूचक, सहित अन्य सेवादार भंडारे की उत्तम व्यवस्था के लिए तैयारी में लगे हुए है शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में श्री पातालेश्वर धाम पहुंचने की अपील की गई है जिससे श्रद्धालुओं की सेवा की जा सके।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक को

छिन्दवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 18 फरवरी 2025 मंगलवार को दोपहर 02 बजे से जिला पंचायत कार्यालय छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि इस बैठक में जिला पंचायत छिन्दवाडा की पूर्व बैठक 06 दिसंबर 2024 में पारित प्रस्ताव पर कार्यवाही पालन प्रतिवेदन संबंधित विभागों के एजेण्डा पर चर्चा व समीक्षा, स्वास्थ्य विभाग के सभी निर्माण कार्यों एवं आय व्यय की जानकारी पर चर्चा व समीक्षा, जल निगम के निर्माण कार्यों की प्रगति व आय व्यय की जानकारी, सामाजिक न्याय विभाग में किये गये कार्यों की जानकारी व आय व्यय पर चर्चा, वन विभाग के कार्यों एवं आय व्यय की जानकारी आदि कार्यों की चर्चा एवं समीक्षा और अन्य विषय पर चर्चा की जायेगी। उन्होंने छिंदवाड़ा सांसद विवेक साहू, छिंदवाड़ा विधायक कमल नाथ, परासिया विधायक सोहन वाल्मिक, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार, उपाध्यक्ष अमित सक्सेना और सामान्य सभा के सदस्यों से बैठक में उपस्थिति की अपील की है।

जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने भगवान महाकाल से जिलेवासियों की सुख समृद्धि का मांगा आशीर्वाद

छिंदवाड़ा। भाजपा के शुभंकर जिलाध्यक्ष शेषराव यादव भगवान महाकाल के दरबार में हाजरी लगाने उज्जैन पहुंचे। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने भगवान महाकाल की पूजा आराधना कर जिलेवासियों की सुख समृद्धि की कामना की और आशीर्वाद मांगा। भगवान महाकाल के दर्शन कर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दिव्य दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।बाबा भोलेनाथ की कृपा से मन में असीम शांति और ऊर्जा मिली।महाकाल की नगरी का अद्भुत माहौल अद्वितीय है। उज्जैन का हर क्षण आध्यात्मिकता से भरपूर लगता है। शिव की भक्ति में लीन होकर आत्मा को सुकून मिलता है। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा की जनता पर भगवान महाकाल का आशीर्वाद सदैव बना रहे और जिले में चहुंओर सुख समृद्धि व्याप्त रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, श्रीमती विजय यादव एवं नंदकिशोर वानखेड़े उपस्थित रहे।

डंपर की टक्कर से पलटी बस, 32 यात्री घायल जिला

बैतूल । डंपर से टक्कर हो जाने से एक यात्री बस पलट गई। इस घटना में 32 यात्रियों के घायल होने की शुरूआती जानकारी सामने आई है। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। कलेक्टर और एसडीएम भी जिला अस्पताल पहुंच गए है। यह हादसा जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के खमालपुर में रविवार रात्रि करीब 8 बजे हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन के अनुसार आज भी बैतूल से सारणी जा रही प्रतीक्षा बस लगभग 8 बजे खमालपुर पहुंची। यहां खमाजपुर ब्रिज के ऊपर प्रतीक्षा बस से यात्रियों को उतारा जा रहा था। इसी बीच बस को पीछे से आ रहे एक डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से यात्री बस ब्रिज के ऊपर ही पलट गई। घटना के वक्त बस में करीब 40 यात्री सवार थे। इनमें से अधिकांश इस हादसे में जख्मी हो गए। इस हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। हादसे में घायल हुए यात्रियों को रानीपुर थाने की हंड्रेड डायल एवं एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय और घोड़ाडोंगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सारणी एस डी ओ पी रोशन कुमार जैन, घोड़ाडोंगरी तहसीलदार महिमा चौधरी एवं रानीपुर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी भी मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को समय रहते हुए चिकित्सालय पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर एस डी आर एफ की टीम भी मौके पर पहुंची और बिजली की व्यवस्था जुटाई। बताया जाता है। कि जिला अस्पताल में 28 घायलों को पहुंचाया गया है। यहां कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और बैतूल एसडीएम राजीव कहार भी जिला अस्पताल पहुंचे।

कुंडीपुरा पुलिस ने गुंडे-बदमाशों का निकाला जुलूस

छिंदवाड़ा। शहर में लॉयन ऑर्डर बिगाड़ रहे बदमाशों पर छिंदवाड़ा पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में रविवार को कुंडीपुरा पुलिस ने आगामी त्यौहार के मद्देनजर क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से 30 से अधिक आदतन अपराधियों को राउंडअप कर उन्हें समझाइश दी है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार पांडे के निर्देशानुसार समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि बदमाशों द्वारा त्यौहारों में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति निर्मित न हो ऐसे में इन्हें थाने बुलाकर समझाइश दी जा रही है। कुंडीपुरा थाना प्रभारी मनोज कुमार बघेल ने बताया कि शनिवार को भी स्थानीय गुंडा बदमाशों को थाने बुलवाकर समझाइश दी गई थी। इसी क्रम में रविवार को 30 गुंडा बदमाशों को समझाइश दी गई है। जबकि ये कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

ढाबे में परोसी जा रही शराब

छिंदवाड़ा। आर.टी.ओ के सामने खजरी रोड स्थित हाईड आऊट ढाबे का संचालक खुले आम शराब परोसी जा रही है, बताया जाता है कि यह ढाबा रिटायर्ड पुलिस कर्मी के बेटे का है। वहीं इनके द्वारा ढाबे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस वाले पापा के दोस्त है इसलिए हम पर कोई कार्यवाही नहीं होती। अब देखना होगा कि पुलिस अधीक्षक क्या कार्यवाही करते है ।

अवैध विद्युत पम्पों के कनेक्शन कटवाए

अमरवाड़ा। ग्रीष्मकाल में नगरवासियों को पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा अमरवाड़ा नगरपालिका के जलकार्य विभाग कर्मचारियों के माध्यम से सकरवाडा जलाशय की नहर बंद कराकर अवैध विद्युत पम्पों के कनेक्शन कटवाए गये। कल से जलाशय में बगैर नगरपालिका अनुमति के किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी गई है।

विकास होगा तो विनाश भी तय हैं , बगैर विनाश के विकास असंभव?

अवैध उत्खनन करते एक जेसीबी एवं एक ट्रेक्टर ट्राली जप्त

विनोद साहू बाड़ी । शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक सरोवर नदियां व पहाड़ से सड़क मार्ग निर्माण नवीन भवन के पीली मिट्टी व कोपरा की आवश्यकता नींव के समय पुराई के लिए अति आवश्यक होती हैं और अवैध खनिज कारोबारी से सम्पर्क कीजिए बह आपकी जरुरतों को तत्काल पूरा करने के लिए हमेशा तत्पर तैयार रहते हैं ।

शनिवार को माइनिंग एवं बाड़ी तहसीलदार ने ग्राम पलकाश्री में मिट्टी अवैध रूप से मिट्टी खोद कर परिवहन करते हुए जेसीबी मशीन सहित ट्रैक्टर ट्राली जप्त किया गया ।

हाईवे किनारे ढावों की पुराई में कोपरा का उपयोग। सिंघोरी अभ्यारण्य व रातापानी अभयारण्य में बगैर वन विभाग की अनुमति के प्रवेश करना दंडनीय अपराध हैं पूर्व वनविभाग एसडीओ चंद्र शेखर दुवे के कार्यकाल में जंगल में घूमते लोगों पर कार्यवाही भी हुई थी। लेकिन उनके जाने के बाद शिकारियों व वनविभाग के बीच गजब का तालमेल बैठा कि दशक बीत जाने के बाद भी कोई ऐसी खबर नहीं निकली जो अखबारों की सुर्खियां बटोर सके।

नवीन फोरलेन निर्माण में लाखों डम्फर मिट्टी का अवैध उपयोग खनिज विभाग के अधिकारी के संरक्षण में हुआ जिसमें सबसे ज्यादा मिट्टी कोपरा सिंघोरी अभ्यारण्य व रातापानी अभयारण्य से उठाई गई और आज भी इस हाईवे के किनारे बने ढावे को जंगल से लगे हैं बह रात में डम्फरों से कोपरा डलवाकर अपने ढावे को उन्नत कर रहे हैं । जिससे पानी निकासी का रास्ता बंद किया जा रहा हैं ।

स्मरण रहे कि बाड़ी तहसील में एक भी मिट्टी खदान शासन द्वारा स्वीकृत नहीं हैं और हाईवे निर्माण व ग्रामीण क्षेत्रों में बनने वाली सड़कों व नवीन भवन निर्माण में लाखों डम्फर मिट्टी का उपयोग हुआं और होता भी रहेगा ?

अगर प्रशासनिक अधिकारियों की मंशा वाकई अवैध खनन रोकने की हैं तो एक बार इस अवैध खनन की जगह नपती करा कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए तभी कुछ अंकुश लग सकेगा?

ग्रामीण लड़की टेटू आर्टिस्ट के रूप में बना रही अपनी पहचान

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्कैच पोर्ट्रेट बनाकर किया भेंट, विधायक सुरेंद्र पटवा का भी स्कैच बनाया

औबेदुल्लागंज (सुरेश केवट)। कहते है कठिन परिश्रम ही सफलता की चावी है।निरंतर लग्न,मेहनत से ईश्वर प्रदत्त प्रतिभा को निखारा जाता है फिर यह प्रतिभा किसी बात की मोहताज नहीं होती है,उसे बस सही दिशा, कड़ी मेहनत, परिश्रम से ऊर्जा मिलती रहती है।ग्राम दाहोद की बिटिया वैशाली चौधरी अपनी प्रतिभा व आर्ट्स के हुनर को ऊंचाई पर ले जा रही है और वह अलग राह चुनकर लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है।हम कह सकते है आभावो में प्रतिभा पलती है,परिस्थितियां चाहे कितनी ही कठिन क्यों न हो,बस उन्हें सही मार्गदर्शन की व दिशा चाहिए होती है।

वैशाली की सबसे जुदा राहः वैशाली बचपन से ही आर्ट या कलात्मक कार्य मे रुचि रखती थी और वह इसका अभ्यास निरंतर करती रहती थी।वैशाली का मानना है कि,कला से हम निरंरत जीवंत बने रहते है कला हमें परिपक्व बनाती है।बचपन से स्कैच आर्ट का अनुभव था लेकिन फिर इसे धीरे धीरे निखारा लेकिन बीते 4 वर्षों से लगातार इसे मेहनत कर निखारा है।पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्कैच पोर्ट्रेट बनाकर उन्हें भेंट किया।वही यह भेंट करने से पहले वैशाली चौधरी व उनके पति प्रवीन चौधरी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

चौहान के साथ स्मार्ट पार्क में पौधारोपण किया।जिसके बाद यह पोर्ट्रेट भेंट किया।इस पोर्ट्रेट की खूबसूरती को देखकर शिवराज सिंह चौहान ने वैशाली की मुक्तकंठ प्रशंसा की कहा कि,बिटिया कभी भी हार मत मानना,जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंरत प्रयास करना एक दिन आपको अपने मन के अनुसार उचित स्थान मिलेगा। वैशाली ने अपने क्षेत्र के स्थानीय विधायक पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटवा का भी पोर्ट्रेट बनाया।उन्होंने इस पोर्ट्रेट को उनके निवास पर भेंट किया जहां उन्होंने बेटी वैशाली की प्रशंसा की।

(वेलेंटाइनडे विशेष)

जी. के. छिब्बर

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सूरक्षा चूक से हादसा यात्रियों ने भी धैर्य खोया

केवल टिकट धारियों को ट्रेन के समय प्रवेश दिया जाना था दुर्घटना नही होती

15 फरवरी शनिवार रात नई दिल्ली के प्लेटफार्म 14 और 15 में यात्रियों की बड़ती भीड़ में गलफत और हड़बड़ी में धैर्य खोया और भगदड़ मच गई तब समुचित सुरक्षा एवम आपदा प्रबंध ना होने से हादसा हुवा जो रेलवे प्रशासन की लापरवाही का ही परिणाम है

रेल प्रशासन को शनिवार रविवार और विशेष दिनों पर अतिरिक्त सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था की जानी थी क्योंकि यात्रियों में भीड़ तंत्र एवम भगदड़ से बचने का प्रशिक्षण नही होता धैर्य और सयंम नही होता है और हादसा हो जाता है

इस बार विशेष कुम्भ में जाना युद्ध में जाने के समान है यात्री जान जोखीम में लेकर जा रहे हैं सभी को ज्ञात है को भारी भीड़ है लेकिन अतिउत्साह में अपना जीवन दाव पर लगाकर कुम्भ स्नान करने जा रहे हैं यह उल्लेखनीय है कि 50 करोड़ से अधिक आस्थावान कुम्भ में स्नान कर चुके है प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ होने पर भी यात्रियों को स्टेशन पर प्रबन्ध में असुविधा नहीं है तो राजधानी दिल्ली में चूक कैसे हो गई ये सवाल तो उचित है

दिल्ली में एयरपोर्ट जैसा प्रबंध होना चाहिए था हालांकि स्तिथि नियंत्रित हो गई और ट्रेनों का आवागमन निरन्तर जारी रहा लेकिन 18 यात्रियों की जान चली जाना दुखद है जिसमे 14 महिलाएं है यह भी आश्चर्य का विषय है की 29 जनवरी को मोनी अमावस्या पर प्रयागराज में भगदड़ हुई जिसमें तीर्थ यात्रियों की जान गई दिन प्रतिदिन प्रयागराज कुम्भ स्नान आने जाने वाले सड़क दुर्घटना में जान गवां रहे हैं जाम का भारी संकट है आस्थावान घंटो पैदल चलकर कष्ट सहन कर भी डुबकी लगाने को आतुर है सरकार के लिए भी बड़ी चुनौती है किसी भी घटना और हादसे की जिम्मेदारी सरकार पर ही होना स्वाभाविक है लेकिन यात्रियों की भी अनुशासन के साथ सयंम के साथ यात्रा करने की जिम्मेदारी है जनभागीदारी भी आवश्यक है।

बसंत का आगाज

सौर ऊर्जा में मप्र की नई क्रांति, बाबई-मोहासा बनेगा देश का सबसे बड़ा सोलर हब

भोपाल। मध्यप्रदेश का बाबई-मोहासा इंडस्ट्रियल पार्क देश का सबसे बड़ा सोलर एनर्जी हब बनने की ओर अग्रसर है। सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 50,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि इन निवेशों को जल्द जमीन पर उतारा जाए, जिसके लिए 1,000 एकड़ अतिरिक्त भूमि की तलाश की जा रही है। इस परियोजना से 50 हजार नौकरियां मिलने की संभावना है।

सोलर और इंडस्ट्रियल हब का विस्तार- बाबई-मोहासा में सिर्फ सोलर पैनल नहीं बल्कि मशीनरी, केबल, बैटरी और अन्य सोलर उत्पाद भी

बनाए जाएंगे। इसके अलावा, तामोट प्लास्टिक पार्क में भी कई कंपनियों ने रुचि दिखाई है, जिससे यह क्षेत्र जल्द ही औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र बन सकता है। इंदौर में 36 में से 11 पार्कों में जमीन खाली है, जबकि ग्वालियर में 7 में से 2 और उज्जैन में 12 में से 5 पार्कों में जमीन उपलब्ध है।

निवेश और औद्योगिक विस्तार- नर्मदापुरम, सीहोर, रायसेन और विदिशा जिलों में 20,000 एकड़ औद्योगिक भूमि बैंक विकसित किया जाएगा। भोपाल को अक्षय ऊर्जा, फार्मा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का हब बनाया जाएगा। भोपाल-कानपुर और भोपाल-सिंगरौली औद्योगिक कॉरिडोर से शहर को जोड़ा जाएगा।

सीधी में खाई में गिरी बोलेरो, 4 की मौत

हादसे में 4 लोग घायल, सिंगरौली से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे सभी लोग

सीधी। सीधी में महाकुंभ जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। 4 लोग घायल हुए हैं। सभी को संजय गांधी अस्पताल रीवा भेजा गया है। खाई 30 फीट से ज्यादा गहरी है, लेकिन पत्थर और पेड़ों की वजह से गाड़ी 12 फीट से ज्यादा नीचे नहीं जा पाई।

हादसा रविवार-सोमवार की देर रात करीब 2 बजे मूड़ा पहाड़ पर हुआ। सभी लोग सिंगरौली के जयंत से प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे। जैतपुर गांव से दो गाड़ियों में 13 लोग प्रयागराज के लिए निकले थे। इनमें एक गाड़ी में आठ और दूसरी में पांच लोग सवार थे।

स्थानीय ग्रामीणों को सुबह करीब 5 बजे हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। अमिलिया थाना प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल सीधी ले जाया गया था, जहां से सभी को गंभीर हालत में संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया गया। हालांकि उनके परिजन अपनी सुविधा से प्राइवेट वाहन के जरिए उन्हें सिंगरौली जिले के बैढ़न अस्पताल ले गए। वर्तमान में वहीं उनका इलाज चल रहा है।

सभी मृतक दोस्त थे, सभी की उम्र 22 से 30 साल

मरने वाले सभी लोग दोस्त थे। सभी की उम्र 22 से 30 साल थी। जैतपुर गांव से रात में प्रयागराज के लिए निकले थे। मरने वालों में संदीप साहू कोल माइंस और प्रमोद यादव एनटीपीसी में नौकरी करते थे। रमाकांत साहू का एनसीएल में इंटरव्यू हो गया था। अगले दो महीने में वह जॉइन करने वाला था।

शक्कर हुई महंगी, बढ गए दाम

भोपाल निप्र। त्योहारों के पहले मध्यप्रदेश के स्थानीय बाजारों में शक्कर की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। एक महीने में दाम करीब 2 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। दरअसल उत्पादन में गिरावट की आशंका से शक्कर की कीमतों में तेजी आ रही है। दूसरी तरफ शक्कर मिलें भी घरेलू बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी चाहती हैं। कारोबारियों का कहना है कि आगे होली का त्योहार आ रहा है, ऐसे में चीनी में मंदी की उम्मीद कम ही है। शक्कर की डिमांड इस समय बाजारों में हाई है। शादी विवाह की ग्राहकी भी बनी हुई है।

2 प्रतिशत तक महंगी: 3700/3875 प्रति क्विंटल मिलों

एमएसपी 31 रुपए

मिलों से लेकर बाजारों में सुर्खियां हैं कि सरकार शक्कर का न्यूनतम बिक्री मूल्य बढ़ा सकती है। चीनी का एमएसपी 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बना हुआ है। चीनी कारोबार से जुड़े गोपाल बाहेती बताते हैं कि पिछली बार देश में शक्कर का उत्पादन 320 लाख टन हुआ था लेकिन इस बार 265/270 लाख टन का अनुमान लगाया जा रहा है। शक्कर ब्रोकर रमाकांत तिवारी का कहना है कि उत्पादन घटने की आशंका से भी बाजार में चीनी की मिठास महंगी हो रही है।

के भाव, 4150/4250 स्थानीय थोक बाजारों में, 4350/4400 प्रति क्विंटल खुदरा बाजारों में, राजधानी में खपत- शक्कर व्यापारी एसोसिएशन के सचिव कृष्ण कुमार बांगड़ के मुताबिक केन्द्र सरकार के चीनी के एक्सपोर्ट खोलने और प्रोडक्शन कम होने की वजह से चीनी ने तेजी की रफ्तार पकड़ी है।

चीनी उत्पादन 16 प्रतिशत घटा: अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन वर्ष की पहली तिमाही में शक्कर उत्पादन16 प्रतिशत घटकर 95.40 लाख टन रह गया, जिसका मुख्य कारण महाराष्ट्र के उत्पादन में गिरावट आना है। उद्योग निकाय इस्मा के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ के अनुसार, महाराष्ट्र, यूपी और कर्नाटक में पेराई दर बेहतर थी।

पंचकल्याणक महा महोत्सव के तहत जिलों की नगरी भोपाल में जैन समाज के लोगों द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया।

छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति, परीक्षा , रिजल्ट और अन्य मांगों को लेकर एनएसयूआई राजभवन तक पैदल मार्च किया।

भोपाल में पठानी सूट-टोपी पहने दिखे कपिल शर्मा

मोती मस्जिद इलाके में स्कूटर पर घूमते आए नजर, फैंस के साथ सेल्फी भी ली

भोपाल। भोपाल में फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 की शूटिंग चल रही है। इसके लिए कलाकार कपिल शर्मा सप्ताह भर से शहर में शूटिंग

कर रहे हैं। शूटिंग कोहेफिजा इलाके में चल रही है।

इसी बीच कपिल शर्मा का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वे मोती मस्जिद इलाके में शूटिंग के दौरान मुस्लिम गेटअप में दिखाई दिए। उन्होंने पठानी सूट पहन रखा था। सिर पर मुस्लिम टोपी लगाए थे। स्कूटर पर पीछे बैठकर जाते हुए नजर आए।

अलग-अलग धर्मों के गेटअप में करेंगे शूट- फिल्म में कपिल शर्मा अलग अलग धर्मों के गेटअप में नजर आएंगे। फिल्म में कपिल की तीन पत्नियां और एक गर्लफ्रेंड हैं। इस तरह से कपिल 4 अलग-अलग धर्मों की पत्नियां और एक गर्लफ्रेंड के साथ नजर आएंगे।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, दिन में चुभने लगी धूप, रात में गुलाबी ठंडक

भोपाल निप्र। राजधानी भोपाल में इन दिनों से सर्दी से राहत मिल गई है। मौसम में लगातार उतार चढ़ाव का दौर चल रहा है। दिन में धूप के तेवर तीखे हो गए हैं, वहीं रात में हल्की ठंडक का दौर चल रहा है। फिलहाल तापमान इसी तरह रहने की संभावना है।

अभी उतार चढ़ाव का दौर जारी रहेगा, वहीं महाशिवरात्रि के बाद धूप के तेवर और तीखे होने की संभावना जताई जा रही है। शहर में इन दिनों मौसम शुष्क बना हुआ है। तीखी धूप के साथ ही अब पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। दिन में जहां गर्मी का अहसास होने लगा है, वहीं रात में हल्की ठंडक बरकरार है। सुबह शाम गुलाबी सर्दी और दिन में तीखी धूप पड़ने लगी है। ऐसे में तापमानों में भी उतार चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है।

न्यूनतम पारे में आधा डिग्री की

बढ़ोतरी: रविवार को शहर के तापमान में मामूली उतार चढ़ाव का क्रम रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 14.4 डिग्री दर्ज किया गया। इसके चलते अधिकतम तापमान में जहां आधा डिग्री से अधिक की कमी आ गई, वहीं न्यूनतम तापमान में आधा डिग्री की बढ़ोतरी हो गई। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला का कहना है कि अभी मौसम इसी तरह रहेगा। फरवरी के आखिरी सप्ताह में तापमानों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

उतार-चढ़ाव जारी

मौसम विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि फिलहाल कोई बड़ा सिस्टम नहीं है। अभी हवा का रूख पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी है। इसलिए फिलहाल मामूली उतार चढ़ाव का दौर चलता रहेगा। 18 फरवरी से एक पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है, लेकिन इसका बहुत ज्यादा असर हमारे यहां नहीं रहेगा, आंशिक बादल रह सकते हैं, फिलहाल मौसम शुष्क रहने की संभावना है। तापमान भी इसी तरह बने रहेंगे।